अन्यतम (सर्वश्रेष्ठ)

केंद्रीय विद्यालय कलुचक सुन्जुवान

जम्मू

OUR PRIDE

MASTER YOGESH GANGWAR

SELECTED FOR AIIMS, AFMC, NEET

&

PERSUING MBBS FROM ARMED FORCE MEDICAL COLLEGE PUNE

सन्देश

[illegible] केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
[illegible] नई दिल्ली–110016
[illegible] 1–26852680
[illegible] Marg, New Delhi-110016 (India)
[illegible] bsite : www.kvsangathan.nic.in

[illegible]

[illegible] र्षिक पत्रिका का [illegible] एवं साहित्यिक [illegible] है। आशा करता [illegible] जगत के फ़लक [illegible] के लिए चयनित [illegible] ले शिक्षकों एवं [illegible]

[illegible] प्रकाशन से जुड़े [illegible] ान दिया जाएगा, [illegible] ई-पत्रिका के रूप [illegible] का ई-संकलन [illegible]

[illegible] को हार्दिक [illegible]।

[illegible]

([illegible] ष कुमार मल्ल)
आयुक्त

[illegible]

"Yoga is the journey of the self, through the self, to the self."

– The Bhagavad Gita

सन्देश

Welcome to our Clean & Green Vidyalaya

सन्देश

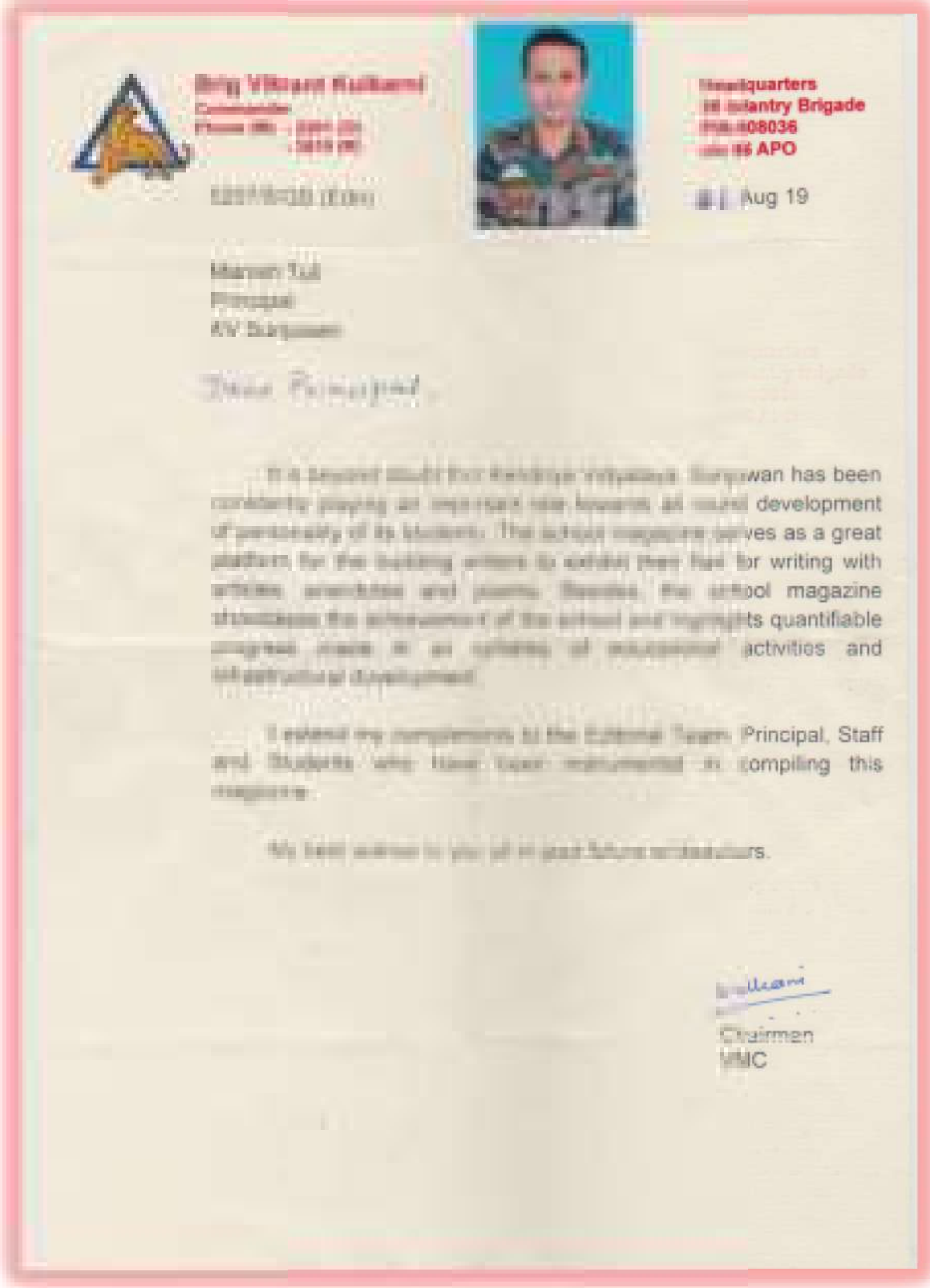

Brig Vikrant Kulkarni
Commander
Phone [illegible]

Headquarters
[illegible] Infantry Brigade
PIN [illegible]08036
c/o [illegible]6 APO

[illegible] (Edn)

[illegible] Aug 19

[illegible]
Principal
KV [illegible]

Dear Principal,

[illegible] wan has been [illegible] development [illegible] serves as a great [illegible] for writing with [illegible] school magazine [illegible] highlights quantifiable [illegible] activities and [illegible]

[illegible] Principal, Staff and Students [illegible] compiling this magazine.

[illegible] endeavours.

[illegible]
Chairman
VMC

प्राचार्य की कलम से ...

हमें हार्दिक प्रसन्नता कि अनुभूति हो रही है की केंद्रीय विद्यालय सुन्जुवान की विद्यालय पत्रिका "अन्यतम" प्रकाशित की जा रही है ।

"अन्यतम" बाल लेखनी में विद्यालय के छात्र / छात्राओं के प्रस्फुटित भाव, बुधि और ज्ञान की त्रिवणी के संगम के रूप में बाल प्रतिभाएं उभर कर हमारे समक्ष है । पत्रिका एक ऐसा सशक्त माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थियों के सृजनात्मक, रचनात्मक कार्य एवं कल्पनाओं को पंख मिलते है । विद्यार्थी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से इन्ही रचनाओं द्वारा सामाजिक गतिविधिओं को छूने का प्रयास करते है व आदर्श समाज के और कदम बढाने की ओर अग्रसर रहते है । विद्यालय एक ऐसी संस्था है जिसमे विद्यार्थी अनुशासन, नैतिक मूल्यों का समावेश एवं गुणवत्त शिक्षा ग्रहण कर सर्वगुण समपन्न नागरिक बनता है । हमारे विद्यालय का यही परम कर्तव्य रहा है ।

"अन्यतम" पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए समस्त विद्यालय परिवार की ओर से समस्त प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग को धन्यवाद देते हुए छात्रों एवं पाठकों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ ।

जय हिन्द ।

(मनीष तुली)

प्राचार्य

संपादक की कलम से

प्रिय पाठक

"कोई आँख ऐसी नहीं होती जिसमे खवाब न हो , स्वप्न न हो , स्वप्न दरअसल हैं क्या ? आज से अलग किसी नए कल की इच्छा ही तो है, आसमान से परे उड़ने की बात हो या धरा का रूप बदल देने या अपनेपन की महक से रिश्तों को महकाने की, हर स्वप्न जब हौसले की तरकश पर चढ़कर लक्ष्य भेदने को चल पड़ता है तो कसम का नाम रख लेता है , अहद कहलाता है, वादा बनता है, वादा खुद से कि खवाब पूरा करेंगे । ये कसमें जहाँ जीवन की जदोजहद में दिखतें हैं वहीँ अपनों के प्रति प्रतिबधता के रूप में झलकती हैं, हर आशीर्वाद में बहती हैं और बच्चों की उस ठुमक में बरसती हैं , बड़ों के झुठ्मुठ के गुस्से में लिपटे प्यार में छुपी होती हैं ।

" अरुणादित्य " एक प्रयास है केंद्रीय विद्यालय सुन्जुवान के नन्हे रचनाकारों की रचनाओं के साथ की हर शब्द सार्थक एवं समस्त होगा एवं हर पाठक को अनुभूति एवं प्रतिबद्ध होने का सन्देश प्रदत्त करेगा ।"

सम्पादकीय

विवरण

खंड अ	-	हिंदी
खंड ब	-	संस्कृत
खंड स	-	अंग्रेजी
खंड ड	-	विविध

हिंदी खंड

लेख / आतमकथा

"मैं गवाह हूँ तुम्हारा"

मेरे प्यारे मित्रों, मैं गवाह हूँ तुम्हारा। तुम्हारे और अपने प्रेम का। तुम्हारे यहाँ आने का और मुझसे मिलने का।

ये सभी जानते हैं कि हमारी मित्रता कितनी गहरी है। आप यहाँ आओ और हमसे बिना मिले जाओ, ऐसा हो ही नहीं सकता।

हर सुबह मैं तुम्हारे इन्तजार में दरबाजे पर खड़ा रहता हूँ। मेरी तरह तुमभी बड़ी बेसब्री से मुझसेमिलने को बेकरार रहते हो। और हर कोई मुझसे सबसे पहले मिलना चाहता है।

यह क्या ? कैसा मिलन है ये ?जरा ठहरो तो। सबसे मिलूँगा एक–एक करके। ओह हो ! कोई मुझे इधर,खींचता है, तो कोई, उधर। जरा देखोतो, ये अपने क्या किया ? आपने तो मेरे कपड़े ही फाड़ ड़ाले।

तुम नहीं जानते, मैं तुम सबसे एक समान प्रेम करता हूँ। कुछ महानुभाव ऐसे भी हैं, जो मेरी दुर्दषा पर तरस खाकर पीछे ही रूक जाते हैं। और बड़े प्रेम से अन्त में मुझसे मिलने आते हैं।

मेरी यादाष्त कमज़ोर नहीं है। न आने वाले मित्रों को भी मैं ठीक से याद रखता हूँ। सभी मित्रों के नाम मुझे याद हैं। फिर भी आप अपने नामों के नरतर चुभो–चुभो कर, क्यों मेरे सीने को लहुलुहान करते हो। कहा ना मैं चष्मदीद गवाह हूँ तुम्हारे अपने का और मुझसे मिलने का। आपके नामों की अमिट छाप मेरे हृदय पर हमेषा अंकित रहेगी।

ज़रा सीचिए, मेरे मित्रों ने मेरी क्या हालत बना दी है। ज़ख्मों से भरा हूँ। पर हाँ मेरे कुछ अंग–संग मित्रों ने मुझ पर तरस खाकर, मेरे जख्मों पर महरम लगाया और पट्टियाँ बाँधी। मुझे नये वस्त्रों से सँवारा। षर्म आ रही थी मुझे अपने हाल पर। फटे चीथड़ों से जहाँ–तहाँ से बदन झाँक रहा था।

खैर कोई बात नहीं फिर भी आप सभी से मुझे बहुत प्यार है। मैं किसी का दिल दुखाना नहीं चाहता। आपकी खातिर कई बार मुझे झूठ भी बोलना पड़ता है। मगर क्या करुँ, आप मित्र जो ठहरे मेरे।

आपके न आने से मेरा दिल उदास हो जाता है। सारा दिन उँचता हूँ। बड़ी बोरियत होती है। हर दिन आपके दिए जख्मों को सहकर भी, न जाने क्यों मैं आपस मिलने का इन्तजार करता हूँ। पल–पल गिन कर वक्त निकालता हूँ कि आप कब यहाँ आओगे। आपकी महफिल के कहकहों की सुनकर मैं अपने सारे दर्द भूल जाता हूँ। और आपके जाने के बाद, मैं भी नई सुबह के लिए अपने ज़ख्मों को सहलाता हुआ प्राचार्य महोदय के कमरे में जाकर सो जाता हूँ।

आप घबराना नहीं मैं पक्का गवाह हूँ आपके आने और जाने का। पहचाना मुझे ?

मैं हूँ आपका मित्र

आपका अपना अटेंडेन्ट रजिस्टर (उपस्थिति पंजिका)।

कुषल षर्मा

छात्र प्रतिज्ञा–सुधार की कोशिश

छात्रगणों से निवेदन है कि ''छात्र–प्रतिज्ञा'' को प्रस्तुत करने में एकरूपता लाने की कोशिश में अपना योगदान देने की कृपा करें। जैसे छात्र–प्रतिज्ञा लिखी गई है उसी प्रकार एक छात्र द्वारा बोल कर अन्य छात्रों द्वारा दोहाराया जाए।

अनुराधा शर्मा
प्र0 स्ना0 शिक्षिका हिन्दी

डटे रहो

माना जीवन पानी का बुलबुला, पर हिम्मत न हारो तुम
आगे बढ़ने का नाम है ज़िन्दगी, रुक गए तो खत्म है ज़िन्दगी
हौसले बुलंद करो, डटे रहो, डटे रहो
आगे बढ़ने की कोशिश, तुम सदा करते रहो मन में जो ठाना है
उसको अगर पाना है तो नीदं को त्याग दो आलस्य को फटकार दो।
लक्ष्य को सामने रखकर ''अर्जुन'' से सीख 'लो' निशाने पर नज़र रख
आराम को त्याग दो हर क्षण श्रम करो, समय न बरबाद करो
लक्ष्य भी मिल जाएगा सपना पूरा हो जाएगा तुम मंजिल भी पाओगे
बात मान देख लो, डटे रहो, डटे रहो।

पूर्व विद्यार्थी
रजत शर्मा

मेरी माँ

इस दुनिया में सबसे पहले जिसका स्पर्श पाया,
जिसने सबसे पहले मेरे माथे को सहलाया।
पकड़ कर मेरी अंगुली जिसने चलना सिखाया
मेरे हर कदम के साथ जिसका साया है।
मेरे दुख जिसके आँसू बन जाते हैं
मेरी हर खुशी जिसका चेहरा बताता है।
मैं बसा हूँ जिसकी धड़कन में सांसों की तरह,
मेरे नाम से जिसका दिल खिल जाता है।
मेरे बचपन में जो बनी सहारा है,
मुझे हर कदम पर उसने सँभाला है।
उसके होते विश्वास कभी न हारा है
मैं दिल हूँ मेरी जान हैं वह,
और कोई नहीं मेरी माँ है वह।

अखिल शर्मा
दसवी 'ब'

अभिवादन

अक्सर अपने साथियों कब बड़ा देखते हैं कि एक दूसरे को देखते ही हाथ आगे बढ़ाते हुए हाथ मिलाने का सिलसिला लगातार आगे बढ़ता रहता है। सद भावना को प्रकट करने के भी अलग–अलग तरीके हैं जैसे हाथ मिलाना, मुस्कुराना, हाथ–जोड़कर नमस्कार करना या सिर पर हाथ फेर देना।

मुझे लगता है इन सब से अच्छा है हाथ जोड़कर अभिवादन करना। इससे एक तो अहंकार भी कम होता है और दूसरे के प्रति श्रद्धा भी व्यक्त होती है। विनम्रता भी आ जाती है। इसका यह भी अर्थ है मेरे दोनों हाथ आपकी सेवा के लिए अग्रसर हैं। यह भी कहा जाता है कि इकटठी हुई आलौकिक शक्ति दूसरे व्यक्ति से हाथ मिलाने पर उसके यानि कि दूसरे के हाथ में चली जाती है। इसलिए स्वस्थ रहने तथा सतोगुणी मन बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि हम किसी से हाथ न मिलाएँ अपितु हाथ जोड़कर ही अभिवादन करें या अभिवादन का उत्तर दें।

रितीका दूबे
सातवी 'स'

सड़क सुरक्षा हेतु हमारा दायित्व

1. यातायात के नियमों का पालन करें
2. गति सीमा का पालन करें।
3. सीट बेलट बांधे ताकि आप और आपका परिवार वाहन में सुरक्षित रहे।
4. जेब्रा क्रासिगं पर पहले पैदल यात्रियों को सड़क पार करने दें।
5. वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें।
6. वाहन कभी भी असुरक्षित ढंग से न चलाएँ
7. हमेशा वाणी से नम्र रहें सड़क पर क्रोध न करें।
8. चौराहों पर हमेशा चौकन्ना रहें।
9. बच्चे हमेशा पीछे की सीट पर सवारी करें।
10. हमेशा घायल व्यक्ति की मदद करें।

अखिल शर्मा

सम्पादकीय

सत्र 2017–18 का यह अंक आपको सौंपते हुए अति हर्ष का अनुभव हो रहा है। यह पत्रिका एक ऐसा गुलदस्ता है जिसमें अनेक छात्र–छात्राओं ने अपने सरल और अबोध प्रयासों का एक–एक फूल सजाया है। साहित्य ही समाज का दर्पण है। यही सृजनात्मक शक्ति मानव का कल्याण करती है। आशा है कि आप इन बाल मन के कोमल भावों एवं विचारों को पढ़कर इनकी प्रतिभा को निखारने का आशार्वाद देंगे।

मैं प्राचार्य श्री मान मनीष तुली का हृदय से आभार प्रकट करती हूँ जिनके मार्गदर्शन ने इस कार्य को सफलता तक पहुँचाने की सहायता की है। मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि हमारे नन्हे–मुन्ने रचनाकार अपनी इस साहित्य साधना के पथ पर निरंतर आगे बढ़ते हुए अच्छा लेखन सृजन करते हुए अपना ही नहीं विद्यालय का भी नाम रोशन करेंगे। पत्रिका के इस अंक में प्रकाशित रचनाओं के प्रतिभासंपन्न रचयिताओं, विद्यार्थियों, शिक्षकों, कार्यालयी सहयोगियों का भी बहुत–बहुत धन्यवाद जिनके अमूल्य सहयोग से ही यह पत्रिका आकार पा सकने में सफल हुई।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

अनुराधा शर्मा
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (हिन्दी)

थे वो प्यारे अब्दुल कलाम

दुनियां ने जिसका किया इतराम,
थे वो प्यारे अब्दुल कलाम
कहते थे उन्हें मिसाईल मैन,
महान थे उनके सारे काम,
थे वो प्यारे अब्दुल कलाम
बच्चों से था उन्हें लगाव,
सवालों के उनके थे वो गुलाम
थे वो प्यारे अब्दुल कलाम
विश्व को दी विज्ञान की सौगात,
भारत का किया ऊँचा उन्होने नाम,
थे वो प्यारे अब्दुल कलाम
सादे सरल थे वो भारत वासी,
काम किया दिन रात, बिन विश्राम
थे वो प्यारे अब्दुल कलाम
विश्व करता रहेगा उनको सदा याद,
आओ मिलकर करे उन्हें सलाम
थे वो प्यारे अब्दुल कलाम

नाम : मनमीत कौर
कक्षा : नवमी 'स'

केन्द्रीय विद्यालय सुंजवां

शैक्षिक सत्र 2016–2017 में केन्द्रीय विद्यालय सुंजवां में स्काउट्स/गाइड्स द्वारा आयोजित की गई विभिन्न गतिविधियों का विवरण इस प्रकार है

1. हमारे विद्यालय में बुधवार एवं शनिवार को स्काउट्स/गाइड्स, कब्ज़/बुलबुल द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाता है।
   1. स्काउट्स/गाइड्स प्रार्थना
   2. स्काउट्स/गाइड्स प्रतिज्ञा
   3. नियम
   4. झंडा गीत
   5. विभिन्नप्रकार की गाँठें लगाना।
   6. अनुमान लगाना
   7. बी० पी० 6 प्रकार के व्यायाम
2. विश्ववन दिवसः– विश्व वन दिवस के अवसर पर प्रधानाचार्य के नेतृत्व में स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा विद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया।
3. विश्व जनसंख्या दिवसः– हमारे विद्यालय में 11 जुलाई 2016 को विश्व जनसंख्या दिवस का आयोजन किया गया जिसके उपलक्ष्य में स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा विविध कार्यकर्मो का प्रदर्शन किया गया जनसंख्या वृद्धि से होने वाली हानियो तथा जनसंख्या नियंत्रण पर विचार व्यक्त किए गए।
4. हमारे विद्यालय के 9 स्काउट्स तथा 14 गाइड्स ने तृतीय सोपान शिविर में प्रमाण पत्र प्राप्त किए।
5. स्वतंत्रता दिवसः– इस अवसर पर स्काउट्स/गाइड्स द्वारा साहसिक क्रियाएँ प्रस्तुत की गईं।
6. शिक्षक दिवसः– पांच सितंबर को डॉक्टर राधा कृष्णन की जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया।
7. विश्व साक्षरता दिवस :– इस दिवस पर स्काउट्स एवं गाइड्स ने साक्षरता पर अपने विचार प्रस्तुत किए।
8. शांति दिवसः– 16 सितंबर को स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा अंतराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया गया, बच्चों द्वारा आतंकवाद, लूट एवं हत्या से ख़बरदार करने वाले विचार प्रस्तुत किए गए।
9. प्रथम एवं द्वितीय सोपान शिविर भी केन्द्रीय विद्यालय सुंजवां में लगाया गया।
10. हमारे विद्यालय के एक स्काउट एवं एक गाइड ने स्काउट्स एवं गाइड्स जम्बूरी में भी भाग लिया
11. स्थापना दिवस :– केन्द्रीय विद्यालय सुंजवं में स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया।
12. कब्ज़ बुलबुल उत्सव :– 22–2–17 को केंद्रीय विद्यालय सुजुवाँ में कब्ज़ बुलबुल उत्सव में पाँच विद्यालयों के कब्ज़/बुलबुल ने भाग लिया इस उत्सव में 240 प्रतिभागी थे जिन्होंने अनेक प्रतियोगितायों मे भाग लिया तथा पुरस्कार प्राप्त किय।

2016–बेसिक कोर्स गाइडस श्रीमती सुन्दरबाला पुरी

2016–बेसिक कोर्स फलाक लीडर – श्रीमती सुमन शर्मा

आज़दी

पंद्रह अगस्त का दिन कहता आज़ादी अभी अधूरी है।
सपने सच होने बाकी है,रावी की शपथ न पूरी है।।
जिनकी लाशों पर पग धर कर, आज़ादी भारत में आई।
वे अब तक हैं खानाबदोश, गम की काली बदली छाई।।
कलकते के फुटपाथों पर जो आँधी –पानी सहते हैं।
उनसे पूछो पंद्रह अगस्त के बारे में क्या कहते हैं।।
हिंदु के नाते उनका दुख सुनते यदि तुम्हें लाज आती।
तो सीमा के उस पार चलो सभ्यता जहाँ कुचली जाती।।
इंसान जहाँ बेचा जाता, ईमान खरीदा जाता है।
इस्लाम सिसकियाँ भरता है डालर मन में मुस्काता है।।
भूखों को गोली मुर्दों को हथियार पहनाए जाते है।
सूखे कंठों से जेहादी नारे लगवाए जाते हैं।।
लाहौर, कराची, ढाका पर मातम की है काली छाया।
पख्तूनो पर, गिलगित पर है गमगीन गुलामी का साया।।
बस इसीलिए तो कहता हूँ आज़ादी अभी अधूरी है।
कैसे उलास मनाऊँ मैं ? थोड़े दिन की मजबूरी हैं।।
दिन दूर नहीं खंड़ित भारत की पुनः अखंड बनाएँगे।
गिलगित से गारो पर्वत तक आज़ादी पर्व मनाएँगे।।
उस स्वर्ण दिवस के लिए आज से कमर कसें बलिदान करें।
जो पाया उसमें न खो जाएँ, जो खोया उसका ध्यान करें।।

मानसी वर्मा
बारहवी 'स'

आश्चर्य जनक तथ्य

1. **366,000,000** लोगों के लिए हिंदी 'मातृभाषा' है वहीं इस भाषा को कुल **487,000,000** लोग उपयोग करते हैं।
2. **1977** में विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पहली बार संयुक्त राष्ट्र की आम सभा को हिंदी में संबोधित किया।
3. 'नमस्ते' शब्द हिन्दी भाषा में सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला शब्द है।
4. **Google** ने कहा कि, इंटरनेट पर हिंदी कंटेंट की खपत अब बढ़ना शुरू हो गई है। यह साल–दर–साल **English** केटेंट के **19** प्रतिशत ग्रोथ के मुकाबले **94%** प्रतिशत बढ़ती रही है।
5. हिंदी भाषा भारत की उन भाषाओं में से एक है जिसका इस्तेमाल **Web address (URLS)** बनाने के लिए किया जाता है।
6. आज भी **United States America** के **45** विश्व विद्यालयों सहित पूरे विश्व के लगभग **176** विश्व विद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जा रही है।
7. आपके मन में हिन्दी भाषा के प्रति ये भावना तो जरूर होनी चाहिए कि हिन्दी एक मातृ भाषा है, मात्र एक भाषा नहीं।

मानसी वर्मा
बारहवी 'स'

आपस में भेदभाव

हिन्दू धर्म से नफ़रत ये कुरान नही कहता।
भारत की मस्जिदें तोड़ो ये राम नहीं कहता।
रोटी का कोई ''धर्म नही होता पानी की कोई ''जात'' नही होती।
जहाँ ''इंसानियत'' जिन्दा है बहाँ ''मजहब'' की बात नही होती।
किसी को लगता हिन्दू खतरे में है, किसी को लगता मुसलमान खतरे में है,
धर्म का चश्मा उतार कर देखो यारो..... पता चलेगा हमारा हिन्दुस्तान खतरे में है।।

शोयब मलिक
Class : XII 'C'

पहेली

1. एक ओवर क्रिकेट के खेल मे क्या आपको पता है कि एक ओवर मे कितने बाल फेंके जाते हैं
2. घुसा आँख में धागा दरजी के घर से मैं भागा बताओ मैं कौन ?
3. मैं मरूँ मैं काटूँ, तुम क्यों रोते हो।
4. काली काली माँ, लाल लाल बच्चे जिधर जाए माँ, उधर जाएं बच्चे।
5. बूझो भैया एक पहेली जब काटो तो नई नवेली
6. ऐसा कौन है जिसका आना भी खराब और जाना भी खराब ?

उत्तर

1. एक ओवर मे एक ही बाल फेकी जाती है, लेकिन 6 बार
2. बटन
3. प्याज
4. ट्रैन
5. पेंसिल
6. आँखे

नाम : मयंक खोलिया
कक्षा : नवमी 'अ'

आश्चर्यजनक त्तव

1. चीनी को जब चोट पर लगाया जाता है तो दर्द तुरंत कम हो जाता है।
2. होशियार लोग ज़्यादा तर अपने आप से बाते करते है।
3. सुबह एक कप चाय के बजाए एक गिलास ठंडा पानी आपकी नींद खोल देता है।
4. बानवे **92%** प्रतिशत लोग हस देते है जब उन्हे सामने वाले की बात समझ नही आती।

नाम : श्रेया जुत्शी
कक्षा : छठी 'सी'

सारी रात पढ़ते हम

सारी रात पढ़ते हम फिर भी नंबर होते कम
पेपर आता जब हिसाब उसमें लगता ज्यादा दिमाग
पेपर आता है जब अंग्रेजी उसमे हम हो जाते लेजी
पेपर आता है जब हिन्दी उसमें लगती गोल बिन्दी
पेपर आता है जब सांइस उसमें नंबर मिलते माइनस
पेपर आता जब भूगोल जिसमे मिलता अंड़ा गोल
सारी रात पढतें हम फिर भी नबंर मिलते कम।

नाम : सांची
कक्षा : आठवी 'सी'
सदन : रमन

बस एक कदम और

बस एक कदम और इस बार किनारा होगा।
बस एक नज़र और इस बार इशारा होगा।।
अम्बर के नीचे उन बादलों के पीछे कोई तो किरण होगी।
इस अन्धकार से लड़ने की कोई तो किरण होगी।
बस एक पहर और इस बार उजाला होगा।
बस एक कदम और इस बार किनारा होगा।
जो लक्ष्य को भेदें वो कोई तो तीर होगा।
इस तपती भूमि मे कहीं तो नीर होगा।
बस एक प्रयास और अब लक्ष्य हमारा होगा।
बस एक कदम और इस बार किनारा होगा।
बस एक नज़र और इस बार इशारा होगा।
जो मंज़िल तक पहुँचे वो कोई तो राह होगा।
अपने मन को टटोलो कोई तो चाह होगी।
जो मंज़िल तक पहुंचे वो कदम हमारा होगा।
बस एक कदम और इस बार किनारा होगा।
बस एक नज़र और इस बार इशारा होगा।।

नाम : सना चौधरी
कक्षा : नवमी 'सी'

संघर्ष करना सीखना होगा

आसान नहीं है हीरों को तराशना घंटों मेहनत करते है कोई चोट खाके भी हीरे चमकते हैं।
खुद टुकड़े होके, दूसरों की शोभा बढ़ाता है कोई।
हीरे यूँ ही नहीं चमकते, आकार ऐसा बनाना होता है।
इंद्रधनुष बनाने के लिए हर रंग को सजाना होता है।
प्रतिबिम्ब लहरों से हिल जाए, हौसलों को न हिला सकेगा।
रब चाहे तो लीला दिखाए चरणों में शरण तो मिलेगा।
आँसू बूँदें ही तो है, बहने दो.... इनका बह जाना ही अच्छा है
संजो के आँसुओं को कौन रखता है आखिर ?
यह समय ऐसा है, आज नहीं तो कल हल ज़रूर मिलेगा।
समय के साथ–साथ संघर्ष करना होगा।
जीवन में आगे बढ़ने के लिए, संघर्ष करना सीखना होगा।
बाढ़ तो खुशियों की भी आती है, उस पल का इंतज़ार करना होगा,
संघर्ष करना सीखना होगा, संघर्ष करना सीखना होगा।

स्वंरचित कविता द्वारा : गीता श्रीप्रभा
कक्षा : बारहवीं 'अ'

अदृश्य

दिख जाता है माँ का प्यार अकसर पल पल प्यार उमड़ता है
हां, थोड़ा डाँट दे पर मन मे करूणा रहती है क्या कहुँ
माँ गले से लगाकर रोऊँ तो चुप करा देती है
पर..... पिता तो अपने भाव को स्पष्ट नहीं करते
बच्चों की तमन्नओं को पूरा भी करते हैं बचपन में.....
खुश करने के लिए बन जाते खिलौनेवाला.....
कभी ताली बजाकर हँसा देते थे कभी कंधे पर बिठाकर सैर करा लाते थे.....
गुस्सा भी करते हैं कभी कभी तो कभी पल में मुस्करा देते है.....
पिता शिक्षा देते हैं जीवन में सही कर्म करने की
पिता हौंसला बनते हैं मेरी कुछ न कर पाऊँ तो....
पिता से ही सीखा है मैंने आगे बढ़ना... और बढ़ते रहना
माँ का प्यार कोई भूल नहीं सकता अमूल्य है वह..... लेकिन.....
अदृश्य है वो प्रेम पिता का पुत्री के लिए..... पर फिर भी है अतुल्य.....

स्वंरचित कविता द्वारा : गीता श्रीप्रभा
कक्षा : बारहवीं 'अ'

मौसम

कोहरा छाया ओस गिरी,
जाड़े से जनवरी भरी
दिन छोटे हैं रात बड़ी
फूल लिए फरवरी खड़ी।

तेज़ हुई सूरज की टार्च
महुआ से महका है मार्च
गाँव गली तपते खपरैल
आग लगाए है अप्रैल।

लाया धूल पसीना रे
तेज बड़े लू के नाखून
वर्षा लेकर आई है
कितनी सुखद जुलाई रे।

नाचे मयूरा होकर मस्त
आया झूले लिए अगस्त
इंद्र धनुष है अम्बर में
मौसम मुदित सितंबर में

पेड़ों ने पत्ते झाड़े, अक्टूबर के पिछवाड़े
देखो काँपने लगा बंदर, आया ठिठुरन लिए नवम्बर
धूप लगे अब तो सुंदर, खत्म साल आ गया दिसंबर।

नाम : अक्षिता सिहं
कक्षा : आठवी 'सी'

पेपर पास आए

पेपर पास आए, दिल घबराया,
जाने कितनो की जान ले जाए,
अब तो मेरा दिल ये सोच के डरता है,
पापा ले गए कमरे के अन्दर,
खूब की पापा ने पिटाई,
अकल हमारे ठिकाने पर आई,
अंत मे शुरू की पढ़ाई,
नम्बर आए हाई–फाई।

नाम : हिमाक्ष
कक्षा : सातवीं 'ब'

रबिन्द्रनाथ टेगोर जी के विचार

1. ''यदि आप रोते हो क्योंकि सूरज आपके जीवन से बाहर चला गया है और आपके आँसू आपको सितारों को देखने के लिए रोकेंगे.....''
2. ''उच्चतम शिक्षा वो हैं जो हमें सिर्फ जानकारी ही नहीं देती, बलिक हमारे जीवन को समस्त अस्तित्व के साथ सद्भाव में लाती है''
3. ''बर्तन में रखा पानी चमकता है, समुद्र का पानी अस्पष्ट होत है। लघु सत्य स्पष्ट शब्दों में बताया जा सकता है, महान सत्य मौन रहता है''।
4. ''हम ये प्रार्थना न करें कि हमारे ऊपर खतरे न आये, बल्कि ये करें कि हम उनका सामना करने में निडर रहें''।
5. ''विश्वविद्यालय महापुरुषों के निर्माण को कारखाने है और अध्यापक उन्हें बनाने वाले कारीगर है''।
6. ''सिर्फ तर्क करने वाला दिमाग एक ऐसे चाकू की तरह है जिस से सिर्फ बलेड है। यह इसका प्रयोग करने वाले के हाथ से खून निकाल देता हैं''।

नाम : रितिका
कक्षा : 12वी 'स'

ऐसी कौन सी चीज़ है

(क) जिसे आगे से तो बनाया हैं भगवान ने और पीछे से इसान ने
(ख) दो सुन्दर लड़के दोनों एक रंग के एक बिछड़ जाए तो दूसरा काम न आए
(ग) एक थाल मोतियों से भरा सबके सर पर उलटा धरा चारों ओर फिरे वो थाल मोती उससे एक गिरे

उत्तर (क) बैलगाड़ी
(ख) जूते
(ग) तारे

बापू का नारा, स्वच्छ भारत है बनाना।

भूमण्डल में गूँजे गान। मेरा भारत देश महान।।
फिर गूंजेगा बापू का गान। स्वच्छ रहे भारत का हर ग्राम।।
कूड़ा करकट का है अम्बार। सबको मिलकर करना हैं साफ।।
अपने कर्मों को सुधारें। नदियों को पवित्र बनाये।।
स्वच्छता उन्नति का आधार हैं। लम्बे जीवन का सार हैं।।
स्वच्छता आकर्षण का आधार हैं। लम्बे जीवन का सार हैं।।
संकल्प करें फिर एक बार। स्वच्छ रखें गे भारत को हर हाथ।।
बच्चे बूढें और जवान, सहयोग सेतु में बंध एक साथ।।
अच्छे दिनों को लाना हैं। भारत का मान बढ़ाना है।।

नाम : तरूनपाल सिंह
कक्षा : छठी 'अ'

ऐसा है मेरा हिंदुस्तान

ऐसा है मेरा हिंदुस्तान
पवित्र है इस की धरती
लोगों में है हौसलों की जान
ऐसा है मेरा हिंदुस्तान
छू रहा बुलंदियों को
अब बढ़ रहा है इसका ज्ञान और विज्ञान
ऐसा है मेरा हिंदुस्तान
जात और धर्म का न कोई भेदभाव
सब जन है एक समान
ऐसा है मेरा हिंदुस्तान
खुशहाली इसकी नस नस में बस्ती
रोम रोम में है मुस्कान
ऐसा है मेरा हिंदुस्तान
एकता है इसकी ऐसी
छू रहे हैं मंगलयान

ऐसा है मेरा हिंदुस्तान
संस्कृति है इसकी ऐसी
कि खुद ही आए हैं भगवान
ऐसा है मेरा हिंदुस्तान
हिंद वासी होकर
हमें होता है अभिमान
ऐसा है मेरा हिंदुस्तान

तान्या सरमाल

खुद वो बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।
Be the change you want to see in the world.
– महात्मा गांधी (Mahatma Gandhi)

KV SEN

“हमें पर्यावरण बचाना हैं।”

खतरे में हैं वन्य जीव सब।

मिल कर इन्हें बचाना हैं।

आओं हमें पर्यावरण बचाना हैं।

पेड़ न काटे बल्कि पेड़ लगाना हैं।

वन हैं बहुत कीमती इन्हें बचाना हैं।

वन देते हैं हमें ओक्सिजन इनमें न आग लगाओ।

आओं हमें पर्यावरण बचाना हैं।

जंगल अपने आप उगेंगे पेड़ फल फूल बढ़ेंगे।

कोयल कूके मैना गाये, हरियाली फैलाओ।

आओं हमें पर्यावरण बचाना हैं।

पेड़ों पर पशु पक्षी रहते।

पत्ते घास हैं खाते चरते।

घर न इनके कभी उजाड़ो,कभी न इन्हें सताओ।

आओं हमें पर्यावरण बचाना हैं।

KVSUNJW

"माटी"

माटी से ही जन्म हुआ है!
माटी में ही मिल जाना है!!
धरती से ही जीवन अपना!
धरती पर ही सजे सब सपना!!
सब जीव जन्तु धरती पर रहते!
गंगा यमुना यही पर बहते!!
सब्जी फल यहाँ ही उगते!
धन फसल यहाँ ही उपजे!!
धरती माँ की देख रेख कर!
हम को फर्ज़ निभाना है!!

माँ और भगवान

मैं अपने छोटे मुख कैसे करूँ तेरा गुण गान,

माँ तेरी समता में फीका-सा लगता भगवान..

माता कौशल्या के घर में जन्म राम ने पाया,

ठुमक-ठुमक आँगन में चल कर सब का हृदय जुड़ाया..

पुत्र प्रेम में थे निमग्न कौशल्या माँ के प्राण,

माँ तेरी समता में फीका-सा लगता भगवान..

दे मातृत्व देव की को यसुदा की गोद सुहाई..

ले लकुटी वन-वन भट के गो चारण कियो कन्हाई,

सारे ब्रज मंडल में गूँजी थी वंशी की तान..

माँ तेरी समता में फीका-सा लगता भगवान..

तेरी समता में तू ही है मिले न उपमा कोई,

तू न कभी निज सुत से रूठी मृदुता अमित समोई..

लाड़-प्यार से सदा सिखाया तूने सच्चा ज्ञान,

माँ तेरी समता में फीका-सा लगता भगवान...

कभी न विचलित हुई रही सेवा में भूखी प्यासी..

समझ पुत्र को रुग्ण मनौती मानी रही उपासी,

KV SUNJWAN

प्रेमामृत नित पिला पिला कर किया सतत कल्याण..

माँ तेरी समता में फीका-सा लगता भगवान...

'विकल' न होने दिया पुत्र को कभी न हिम्मत हारी,

सदय अदालत है सुत हित में सुख-दुख में महतारी..

काँटों पर चलकर भीतू ने दिया अभय का दान,

माँ तेरी समता में फीका-सा लगता भगवान...

KV SUNJWAN

बचपन में माँ कहती थी

बचपन में माँ कहती थीं
बिल्ली रास्ता काटे,
तो बुरा होता है
रुक जाना चाहिए...
बचपन में माँ कहती थीं
बिल्ली रास्ता काटे,
तो बुरा होता है
रुक जाना चाहिए...

मैं आज भी रुक जाता हूँ
कोई बात है जो डरा
देती है मुझे..
यकीन मानो,
मैं पुराने ख्याल वाला हूँ नहीं...
मैं शगुन-अपशगुन को भी नहीं मानता...
मैं माँ को मानता हूँ...
मैं माँ को मानता हूँ....
दही खाने की आदत मेरी
गयी नहीं आज तक..
दही खाने की आदत मेरी
गयी नहीं आज तक..
माँ कहती थीं...
घर से दही खा कर निकल
तो शुभ होता है..
खाकर निकलता हूँ...
मैं शगुन-अपशगुन को भी नही मानता...
मैं माँ को मानता हूँ...
मैं माँ को मानता हूँ....

आज भी मैं अँधेरा देख कर डर जाता हूँ,
भूत-प्रेत के किस्से खोफ पैदा करते हैं मुझमें,
जादू , टोने, टोटके पर मैं यकीन कर लेता हूँ...
बचपन में माँ कहती थी

कुछ होते हैं बुरी नज़र लगाने वाले,
कुछ होते हैं खुशियों में सताने वाले...
यकीन मानों, मैं पुराने ख्याल वाला नहीं हूँ...
मैं शगुन-अपशगुन को भी नहीं मानता....
मैं माँ को मानता हूँ....
मैं माँ को मानता हूँ...
मैंने भगवान को भी नहीं देखा जमीन पर

मैंने अल्लाह को भी नहीं देखा
लोग कहते है,
नास्तिक हूँ मैं
मैं किसी भगवान को नहीं मानता
लेकिन माँ को मानता हूँ...
में माँ को मानता हूँ....॥

KV SUNJWAN

"पिता क्या होता हैं"

"कभी अभिमान तो कभी स्वाभिमान है पिता
कभी धरती तो कभी आसमान है पिता
अगर जन्म दिया है माँ ने
जानेगा जिससे जग वो पहचान है पिता...."

"कभी कंधे पे बिठा कर मेला दिखता है पिता...
कभी बनके घोड़ा घुमाता है पिता...
माँ अगर पैरों पर चलना सिखाती है...
तो पैरों पे खड़ा होना सिखाता है पिता....."

"कभी रोटी तो कभी पानी है पिता..."

"कभी रोटी तो कभी पानी है पिता...
कभी बुढ़ापा तो कभी जवानी है पिता...
माँ अगर है मासूम सी लोरी...
तो कभी ना भूल पाऊंगा वो कहानी है पिता...."

"कभी हंसी तो कभी अनुशासन है पिता...
कभी मौन तो कभी भाषण है पिता...
माँ अगर घर में रसोई है...
तो चलता है जिससे घर वो राशन है पिता...."

"कभी ख़्वाब को पूरी करने की जिम्मेदारी है पिता...
कभी आंसुओं में छिपी लाचारी है पिता...
माँ अगर बेच सकती है जरुरत पे गहने...
तो जो अपने को बेच दे वो व्यापारी है पिता...."

"कभी हंसी और खुशी का मेला है पिता...
कभी कितना तन्हा और अकेला है पिता...
माँ तो कह देती है अपने दिल की बात...
सब कुछ समेट के आसमान सा फैला है पिता...."

KV SUNJWAN

परिश्रम का महत्त्व

देश दुनिया के प्रसिद्ध लोगों ने अपनी मेहनत परिश्रम के बल से ही दुनिया को ये अद्भुत चीजें दी है. आज हमारे महान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को ही देखिये, ये हफ्ते में सातों दिन 17-18 घंटे काम करते है, ये न कभी त्योहारों, न पर्सनल काम के लिए छुट्टी लेते है. देश का इतना बड़ा आदमी जिसे किसी को छुट्टी के लिए जबाब न देना पड़े, वह परिश्रम करने से पीछे नहीं हटता है. देश को आजादी दिलाने के लिए महात्मा गाँधी ने जी जान रात दिन एककर के मेहनत की और आज इसका फल है कि हम आजाद है. कड़ी मेहनत एक कीमत है, जो हम सफलता पाने के लिए भुगतान करते है और जिससे जीवन में खुशियाँ ही खुशियाँ आती है.

क्या है परिश्रम

शारीरिक व मानसिक रूप से किया गया काम परिश्रम कहलाता है. ये काम हम अपनी इच्छा के अनुसार चुनते है, जिसे लेकर हम अपने उज्जवल भविष्य की काम ना करते है. पहले श्रम का मतलब सिर्फ शारीरिक श्रम होता था, जो मजदूर वर्ग करता था. लेकिन अब ऐसा नहीं है, श्रम डॉक्टर, इंजिनियर, वकील, राजनीतिज्ञ, अभिनेता-अभिनेत्री, टीचर, सरकारी व प्राइवेट दफ्तरों में काम करने वाला हर व्यक्ति श्रम करता है.

परिश्रम की परिभाषा – कामयाब व्यक्ति के जीवन से हम परिश्रम के बारे में अधिक जान सकते है, उनके जीवन से हमें इस की सही परिभाषा समझ आती है. तो आज आपको कुछ बातें बता रही है, जो मेहनती व्यक्ति अपने जीवन में अपना ताहै, और सफलता कास्वाद चखता है. यही बातें/आदर्श हम अपने जीवन में उतारकर सफल हो सकते है.

समय की बर्बादी न करें – कई लोग आलस का दामन थामे रहते है, वे लोग परिश्रम करने की जगह आराम से धीरे-धीरे काम कर के जीवन बिताना चाहते है. परिश्रमी व्यक्ति कभी भी समय की बर्बादी में विश्वास नहीं रखता, वह निरंतर काम करते रहने में विश्वास रखता है. समय की बर्बादी आलसी, लोगों की निशानी है. कई बार ऐसा भी होता है कि परिश्रम करते रहने से भी मन मुताबिक फल नहीं मिलता है, या फल मिलने में देरी होती है. लेकिन इस बात से हार मानकर नहीं बैठना चाहिए. परिश्रम व काम पर विश्वास से सही समय पर सही चीज मिलही जाती है.

धन के पीछे न भागें – परिश्रम का ये मतलब नहीं है कि, पैसा कमाने की होड़ में लगे रहें. धन हमारी जिंदगी का बहुत बड़ा हिस्सा है, लेकिन धन ही ज़िन्दगी नहीं होती है. धन के पीछे परिश्रम करने से दुनिया की सुख सुविधा तो मिलती है, लेकिन कई बार मन की शांति नहीं मिलती. परिश्रम का ये मतलब नहीं कि आप ज़िन्दगी जीना छोड़ दें, और पैसे कमाने में लग जाएँ. परिश्रम करते हुए, अपने लोगों को साथ लेकर जीवन में आगे बढ़े. ज़िन्दगी जीने का नाम है, यहाँ हर वक्त ख़ुशी, मौज मस्ती करते रहें|

- इच्छा अनुसार ही काम चुने – कुछ लोग बे मन से काम करते है, जिससे वे अपना 100% उस काम में नहीं देते है. ऐसे लोग किसी और की इच्छा के अनुसार ये काम चुन लेते है, जिससे उन्हें एक दबाब महसूस होता है, और वे लोग काम में परिश्रम करने की जगह बस नाम के लिए ऐसे ही काम करते है. हमें अपनी इच्छा के अनुसार ही काम करना चाहिए, तभी उसे पुरे मन व लगन से कर पायेंगें. काम में मन लगेगा तभी हम खुद से परिश्रम करने की भी इच्छा रखेंगें.

- असफलता से हार न माने – सफल व्यक्तियों के जीवन को देखें तो जानेगें, उन्हें पहली बार में ही सफलता नहीं मिली थी. निरंतर प्रयास से वे अपने मुकाम तक पहुंचे थे. उदाहरण के तौर पर अगर शाहरुख़ खान फिल्मों में आने से पहले ही ये सोच लेता कि उसे यहाँ काम मिलेगा ही नहीं तो वह आज इतना बड़ा स्टार न बनता. अगर धीरु भाई अम्बानी उस छोटी सी कुटिया में बस बैठे रहते, मेहनत न करते तो आज इतना बड़ा अम्बानी का कारोबार न होता. अगर अब्राहम लिंकन परिश्रम न करता, स्ट्रीट लाइट में बैठकर पढाई न करते तो वे अमेरिका के राष्ट्रपति कभी न बन पाते. नरेंद्र मोदी जी परिश्रम न करते तो आज चाय की ही दूकान में बैठे होते.

ये महान हस्तियाँ हमें यही सिखाती है कि हार कर घर नहीं बैठो, बल्कि उठो आगे बढ़ो, क्यूंकि हर सुबह उम्मीद की एक नयी किरण लाती है. हमें नया दिन मिला है, मतलब परमेश्वर के पास अभी भी हमारे लिए एक अच्छी योजना है, जो हमारे भलाई के लिए है, न कि हमें नष्ट करने के लिए. परिश्रम के बल पर दुनिया में हर चीज संभव है.

KV SUNWAN

"धरती की बस यही पुकार"

धरती कह रही हैं बार बार
सुन लो मनुष्य मेरी पुकार,
बड़े बड़े महलों को बनाके
मत डालो मुझ पर भार
पेड़ पौधों को नष्ट करके,
मत उजाड़ो मेरा संसार,
धरती की बस यही पुकार!!
मैं हूँ सब की जीवन दाता
मैं हूँ सब की भाग्य विधाता,
करने दो मुझे सब जीवो पर उपकार,
मत करो मेरे पहाड़ों पर विस्फ़ोटक वार,
मत उजाड़ो मेरा संसार,
धरती की बस यही पुकार!!
सुंदर सुंदर बाग़ और बगीचे हैं मेरे,
हे मनुष्य ये सब काम आयें गें तेरे,
मेरी मिटटी में पला बड़ा तू,
तू ने यहीं अपना संसार गाढ़ा हैं,
फिर से कर ले तू विचार,
मत उजाड़ मेरा संसार,
धरती की बस यही पुकार!!
मैं रूठी तो जग रूठा,
अगर मेरे सब्र का बांध टुटा,
नहीं बचें गा कोई,
मेरे साथ अगर अन्याय करोंगे,
तो न्याय कहाँ से पाओंगे,
कभी बाढ़ तो कभी सुखा,
और भूकंप जैसी आपदा सहते जाओंगे,
धरती की बस यहीं पुकार,
मत उजाड़ों मेरा संसार!!

K V SUNJWAN

योग - ध्यान का महत्व

आज के तनावग्रस्त, रोगयुक्त, उर्जाहीन, अस्त-व्यस्त, अनियमित, अत्याधिक काम के बोझ एवं परेशानियों से घिरे जीवन में आपके चेहरे पर थोड़ी सी मुस्कान, शान्ति एवं सुकून अगर लाता है तो वह है योग-ध्यान, जिसके लिए कहीं नहीं जाना पड़ता, किसी को इसके लिए कुछ भी देना नहीं पड़ता, कुछ माँगना भी नहीं पड़ता और ना ही योग ध्यान मुश्किल काम है | बस इसके लिए अपने ही मन को पकड़ना पड़ता है जो हमें ख़ुशी- ग़म, शान्ति अशांति या क्रोध प्रेम देता है |

हमारे मन की प्रवृति क्या है :-

क. यह नकारात्मकता को पकड़ता है |

ख. यह शक के दायरे में एक दम आता है |

ग. यह मन हमेशा भूतकाल या भविष्य काल में अटका रहता है |

घ. यह वही कार्य करता है जिसके लिए इसे रोका जाए

अपने मन को कैसे पकड़े ?

हमारे मन का हमारे श्वासों के साथ सीधा-सीधा संबंध है | अगर किसी ने हमें दुख पहुँचाया, हम ग़ुस्से में हैं परेशान हैं तो हमारी श्वास तेज हो जाएगी और दूसरी तरफ़ अगर हम ख़ुश हैं सुखी है तो हमारी श्वास भी शांत और गहरी लंबी होगी | हमारी प्रत्येक श्वास हमें ऊर्जा देती है और इसी श्वास को जब हम बाहर छोड़ते हैं तो हमारे अंदर की गंदगी, toxin- कचड़ा सब बाहर आता है | क्या आप जानते हैं कि हमारा 85% कचड़ा, अंदर की गंदगी हमारी श्वासों के साथ बहार आती है और सिर्फ़ 15% गंदगी है जो नाक कान मुंह मलमूत्र द्वारा बाहर आती है | बाकी श्वासों के ज़रिये |

लेकिन फिर भी हम अपनी श्वासों की तरफ़ ध्यान नहीं देते हैं | अगर हम दिन के 24 घंटों में से आधा घंटा अपनी श्वासों के साथ बिताएँ, उन्हें देखे, सही दिशा दे तो हमारा मन हमारी मुट्ठी में होगा और मन को पकड़ते ही हम ख़ुश तनावमुक्त रोगमुक्त और ऊर्ज़ा से भरे होंगे |

आप अपनी श्वासों को सही कैसे करें ?

हमारी श्वासों से जुड़ी कई प्रक्रियाएं हैं जैसे उज्जई श्वास, भस्त्रिका, प्रणायाम की 3 स्थितियां नाड़ी शोधन प्राणायाम एवं सर्वोतम एवं प्रभावशाली प्रक्रिया "सुदर्शन क्रिया " जो हमारे श्वासों को सही दिशा देकर अंदर की गंदगी एवं नकारात्मकता को बाहर निकालने में बहुत उपयोगी सिद्ध हुई है | डॉक्टरों की रिसर्च एवं शोधन के बाद इसे तो बायोकेमिस्ट्री की किताब में भी शामिल किया गया है | (पृष्ठ 805 बायोकेमिस्ट्री सुदर्शन क्रिया)

इसलिए नियमित रूप से अगर अपनी दिनचर्या में आधा घंटा योग ध्यान, प्राणायाम एवं श्वासों से जुड़ी प्रक्रियाओं को शामिल करें तो आप सब अवश्य रोगयुक्त, तनावमुक्त, शांत, ख़ुश एवं सकारात्मक सोच के साथ ज़िंदगी बिताएंगे और एक तनाव मुक्त समाज का निर्माण करेंगे | सबसे महत्वपूर्ण कला आप अपने मन को भी पकड़कर वर्तमान में रह सकते हैं |

सुमन लता शर्मा
प्राथमिक
अध्यापिका
केंद्रीय विद्यालय,
सुन्ज्वान
जम्मू

KV SUNJWAN

विज्ञान

मनुष्य की सबसे बड़ी पहचान

हाँ भाई हाँ है विज्ञान

इसी विज्ञान से हुए अविष्कार

और हुआ जीव उपचार

आस्मां में हैं उड़ता जहाज़

ज़मीं पर चलती मोटर कार

मशीन की लत ऐसी लगी

हुए सब इन्सान बेकार

रोबोट से होता है काम

घट रहा है रोज़गार

कम्पूटर ने आकर भैया

आसान कर दिया जटिल काज

इसी विज्ञान से उन्नति हमारी

इसी विज्ञान से आपदा भी भारी

करो बुद्धि से इसका प्रयोग

मानव विकास में लगा कर

ख़त्म करो सब जटिल रोग....

नाम :- रिया कलसी
कक्षा :- नवमी ब

KV SUNDARAN

संस्कृत खंड

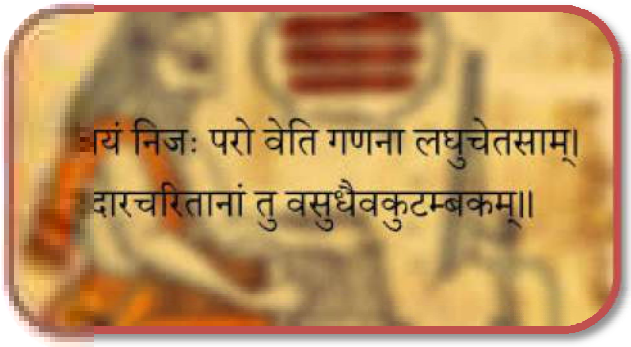

संस्कृत विभागः

सम्पादक मण्डलम् सम्पादक : डॉ० वी. पी. शर्मा
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (संस्कृत)

छात्र सम्पादका : 1 क्षितिज पराशर ग्ठ
2 उत्कर्ष भट्टी अष्टम 'स'
3 अरिन्दम शर्मा अष्टम 'अ'

सम्पादकीयम्

ऊँ शन्नो मित्रः, शं वरूणः शन्नो भवत्वर्यमा।
शन्न इन्द्रो बृहस्पतिः शं नो विष्णुरूक्रमः।
नमो ब्रह्मणे। नमस्ते वायो। त्वमेव प्रत्यक्षं ब्रह्मासि।
त्वामेव प्रत्यक्षं ब्रह्म वदिष्यामि। ऋतं वदिष्यामि। सत्यं वदिष्यामि।
तन्मामवतु। तद्वतारमवतु। अवतु माम्। अवतुवक्तारम्।।
ऊँ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।।

प्रिय पाठकवर्याः, सर्वेम्यः नमः।

हर्षस्य विषयोऽयम् यत् पाठकानां कृते अस्माकं सुंजुवा स्थितस्य केन्द्रीय विद्यालयस्य पत्रिकायाः वार्षिकं प्रकाशनं भवति। पत्रिकायाम् अस्याम् संस्कृत विभागान्तर्गते अनेकानाम् श्लोकानाम्, गीतानाम्, शिक्षाप्रदकथानाम् समावेशः अस्ति। विद्यालयस्य प्रचार्यवर्यः श्रीमान मनीष तुली महामागस्य कुशल नेतृत्वे, मार्गदर्शनानुसारेण च तथा छात्राणाम् सहयोगेन च कार्यमेतत सम्पन्नम् जातम्। आशासे पत्रिकायाः पुष्पमिदम् पाठकनाम् कृते लाभकारी भविष्यति। छात्राः महत्त्वपूर्ण उद्धरणं,सूक्तीन्, वेदमन्त्राणि च स्मृत्वा तान् व्यवहारे आनेतुम् प्रयासं कुर्वन्ति, एतेन संस्कृत भाषा सुदृढ़ा भविष्यति।

जयतु संस्कृतम्।
जयतु भारतम्।

डॉ. वी. पी शर्मा
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (संस्कृत)

गीतामृतम्

गीता सुगीता कर्त्तण्या किमन्यैः शास्त्र विस्तरैः।
या स्वयं पद्मनाभस्य, मुखपद्मादिवनिः सृता।।

गीता सुगीता करने योग्य है अर्थात् श्रीगीता जी को पढ़कर भली प्रकार अर्थ और भावसहित अन्तः करण में धारण कर लेना मुख्य कर्त्तण्य है जो कि स्वयं पद्मनाम भगवान श्री विष्णु के मुखारविन्द से निकली हुई है। फिर अन्य शास्त्रों के विस्तार से क्या प्रयोजन है।

यः एनं वेत्ति हन्तारम् यश्चैनं मन्यते हतम्।
उभौ तौ न विजानीतो नायं हन्ति न हन्यते।।1।।
वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णातिनरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहायं जीर्णान्यानि संयाति नवानि देहि।।2।।
यद्यदाचरति श्रेष्ठः तत्तदेवेतरो जनः। स यत्प्रमाणं कुरूते लोकस्तदनु वर्तते।।3।।
यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्मवति भारत। अम्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम।।4।।
परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्। धर्मसंस्थापनार्थाय संमवामि युगे–युगे।।5।।

क्षितिज पराशर
दसवी 'ब'

गायत्री महामन्त्र

ओ३म् भूर्भूवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गोदेवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।।

शब्द अर्थ

ओ३म् सत्य, स्वरूप, सर्वव्यापक, अविनाशी, महाप्रभू का, सर्व उत्तम नाम है
भूः प्राण आधार, प्राण रक्षक
भूर्वः दुःख विनाशक दुःखहर्ता
स्वः सुख स्वरूप, आनन्द का दाता
तत् वह (इशारा परमात्मा की ओर है)
सवितु प्रकाश स्वरूप, तेजवान, सर्वउत्पादिक, (भौतिक अर्थ में सूर्यदेव)
र्वरण्यं सर्वश्रेष्ठ, वरण करने, ग्रहन करने योग्य
भर्गो शुद्ध स्वरूप, पवित्र
देवस्य देवता स्वरूप, सदा देते रहने वाला
धीमहि ध्यान करने योग्य, धारण करने योग्य
धियो बुद्धियों को
यो सविता देव अर्थात परमात्मा
नः हमारी, हम सभी की
प्रचोदयात् शुभ कर्मो में लगाए।

श्रुति नवमी 'अ'

गायत्री ज्ञान

ओ३म् भूर्भूवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गोदेवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।।

भावार्थ : हे सर्व रक्षक, दुख हर्ता, प्राण आधार, सर्वाधार, समग्र ऐश्वर्य के दाता, सत् चित् आनन्द स्वरूप परमात्मा। आप सकल जगत उत्पादक, सर्वश्रेष्ठ पाप विनाशक और दिव्य गुणों का केन्द्र है। आप वर्णीय है, मल रहित, निर्लेप, शुद्ध, पवित्र है। हम आपके दिव्य तेज़ का ध्यान करते है। आप हमारी बुद्धियों के प्रेरक है, अर्थात् आप हम सब की बुद्धियों को सन्मार्ग में प्रेरित कीजिये।

सनमीत कौर आठवी 'अ'

सरस्वती वन्दना

ऊँ शुक्लां ब्रह्मविचार सार परमां आद्यां जगदव्यापिनीं,
वीणा पुस्तक धारिणीं अमयदां जाडयान्धकारापहाम्,
हस्ते सफाटिक मालिकाम विदधतीं पद्मासने,
संस्थिताम् वन्दे तां परमेश्वरींभगवतीम बुद्धि प्रदाम् शारदाम्।

नाम : उत्कर्ष भट्टी
कक्षा : आठवी 'स'

(ऊँ ऐं वाग वदिनी वदवद) स्वाहा
प्रथमं भारती नाम, दूतीयं च सरस्वती।
तृतीयं शारदा देवि चतुर्थं हंस वाहिनी।
पञ्चमं जगदीख्याता, षष्ठं वागेश्वरी तथा।
सप्तम कुमुदी प्रोक्ता, अष्टमं ब्रह्मचारिणी नवमं
बुद्धिदातृ दात्री च, दशमं वरदायिनी
एकादरां चन्द्रकान्ति, द्वादशं भुवनेश्वरी।
द्वादशैतानि नामानि त्रिसन्ध्यं यः पठेन्नर, जिहाग्रे
वसते नित्यम ब्रह्मरूपा सरस्वती।
सरस्वती महामागे विद्ये कमललोचने विश्वरूपे विशालाक्षा।

नाम : अवन्तिका
कक्षा : षष्ठी 'ब'

।। ऊँ ऐं सरस्वत्यै नमः।।
ऊँ या कुन्देन्दु तुषार हार धवला या शुभ्र वस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेत पद्मासना।
या ब्रह्मच्युत शंकर प्रमृतिमिः देवैः सदा वन्दिता।
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेष जाडयापहा।।

नाम : अभिषेक
कक्षा :

वन्दे मातरम्

सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम् सस्य श्यामलाम् मातरम्।। वन्दे मातरम्।।1।।
शुभ्र योत्स्नां पुलकित यामिनीम् फुल्ल कुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्।
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम् सुखदाम् वरदाम् मातरम्।। वन्दे मातरम्।।2।।
कोटि कोटि कंठ कलकल निनाद कराले कोटि कोटि भुजैधृत खरकरवालें
अबला केनो मो एतो बले बहुबल धारिणीम् नमामि तारिणीम् रिपुदल वारिणीम् मातरम्।।
वन्दे मातरम्।।3।।
तुमि विद्या तुमि धर्म तुमि ह्रदि तुमि मर्म त्वं हि प्राणाः शरीरे
बाहु ते तुमि मां शक्ति दय तुमि मां भक्ति तोमारइ प्रतिमा गडि मन्दिरे मन्दिरे।। वन्दे मातरम्।।4।।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी कमला कमलदल विहारिण वाणी विद्या दायिनी, न्मामि त्वां,
नमामि कमलाम् अमलाम्, अतुलाम, सुजलाम्, सुफलाम्, मातरम्।। वन्दे मातरम्।।5।।
श्यामलाम्, सरलाम्, सुस्मिताम्, भूषिताम् धरणीम्, भरणीम् मातरम्।। वन्दे मातरम्।।6।।

एकात्मतास्तोत्रम

(1) ॐ सच्चिदानन्दरूपाय नमोस्तु परमात्मनो। ज्योतिर्मयस्वरूपाय विश्वमांगल्यमूर्तये।।1।।
विश्वकल्याण के प्रतिमूर्ति, ज्योतिर्मय, सच्चिदानन्द स्वरूप परमात्मा को नमस्कार।।1।।

(2) प्रकृतिः पञ्च भूतानि ग्रहा लोकाः स्वरास्तथा। दिशः कालश्च सर्वेषां सदा कुर्वन्तु मंगलम्।।2।।
सत्व, रज और तमोगुण से युक्त प्रकृति पंचभूत (पुथ्वी, जल, अग्निए वायु, आकाश), नवग्रह, तीनों लोक, सातस्वर, दसों दिशाएं, काल (भूत,भविष्य, वर्तमान) ये सभी सर्वदा कयाणकारी हों।।2।।

(3) रत्नाकराधौतपदां हिमालयकिरीटिनीम्। ब्रह्मराजर्षिरत्नाढ्यां वंदे भारतमातरम्।।3।।
सागर जिसके चरण धो रहा है, हिमालय जिसका मुकुट है और जो ब्रह्मर्षि तथा राजर्षि रूपी रत्नों से समृद्ध है, ऐसी भारतमाता कि मैं वन्दना करता हूं।।3।।

(4) महेन्द्रो मलयः सह्यो देवतात्मा हिमालयः। ध्येयो रैवतको विंध्यो गिरिश्चारावलिस्तथा।।4।।
महेन्द्र (उड़ीसा में), मलयगिरि (कर्नाटक में), सह्याद्रि (पश्चिमी घाट), देवतात्मा हिमालय, रैवतक (काठियावाड़
में गिरनार) विन्ध्याचल तथा अरावली (राजस्थान) पर्वत ध्यान करने योग्य हैं।।4।।

(5) गंगा सरस्वती सिंधुर्ब्रह्मपुत्रश्चगण्डकी। कावेरी यमुना रेवा कृष्णा गोदा महानदी।।5।।
गंगा, सरस्वती, सिंधु, ब्रह्मपुत्र, गण्डकी, कावेरी, यमुना, रेवा (नर्मदा) कृष्णा, गोदावरी तथा महानदी आदि प्रमुख नदियां।।5।।

(6) अयोध्या मथुरा माया काशी कांचि अवंतिका। वैशाली द्वारिका ध्येया पुरी तक्षशिला गया।।6।।
अयोध्या, मथुरा, माया (हरिदूार), काशी, काथी (तमिलनाडु), अवन्तिका (उज्जैन), वैशाली, दूारिका, जगन्नाथपुरी, तक्षशिला तथा गया।।6।।

(7) प्रयागः पाटलिपुत्रं विजयानगरं महा इन्द्रप्रस्थं सोमनाथः तथाऽमृतसर प्रियम्।।7।।
प्रयाग, पाटलिपुत्र, विजयनगर, इन्द्रप्रस्थ (दिल्ली) सोमनाथ (गुजरात) तथा अमृतसर (पंजाब) ये नगर ध्यान करने योग्य हैं।।7।।

(8) चतुर्वेदाः पुराणानि सर्वेपनिषदस्तथा। रामायणं भारतं च गीता सद्दर्शनानि च।।8।।
चारों वेद, 97 पुराण, सभी उपनिषद्, रामायण, महाभारत, गीता तथा अन्य श्रेष्ठ दर्शन।।8।।

(9) जैनागमास्त्रिपिटका गुरुग्रंथः सतं गिरः। एषः ज्ञाननिधिः श्रेष्ठः श्रद्धेयो हृदि सर्वदा।।9।।
जैनग्रन्थ, बौद्धों का त्रिपिटक तथा गुरुग्रन्थ की सन्तों की वाणी, हिन्दू समाज का श्रेष्ठ ज्ञानकोष है। ठनके प्रति हृदय में सदा श्रद्धा गनी रहे।।9।।

(10) अरुन्धत्यनसूया च सावित्री जानकी सती। द्रौपदी कण्णगी गार्गी मीरा दुर्गावती तथा।।10।।
अरुन्धती, अनसूया, सावित्री तथा सीता, दक्ष कन्या सती, द्रौपदी, कण्णगी, गार्गी, मीरा तथा दुर्गावती।।10।।

(11) लक्ष्मीरहल्या चन्नम्मा रुद्रमाबा सुविक्रमा। निवेदिता सारदा च प्रणम्या मातृदेवताः।।11।।
मतृस्वरूप झाँसी रानी लक्ष्मीबाई, अहिलयाबाई हो ल्कर, चन्नम्मा, रुद्रमाम्बा आदि पराँमी नारियाँ, भगिनी निवेदिता तथा माँ सारदा ये वन्दनीय हैं।।11।।

(12) श्रीरामो भरतः कृष्णो भीष्मो धर्मस्तथाऽर्जुनः। मार्कण्डेयो हरिश्चंद्रः प्रह्लादो नारदो ध्रुवः।।12।।
भगवान श्रीराम, भरत, कृष्ण, भीष्प, धर्मराज युधिष्ठिर, अर्जुन, मार्कण्डेयऋषि, हरिश्चन्द्र, प्रह्लाद, नारद तथा, ध्रुव।।

(13) हनुमाञ्जनको व्यासो वसिष्टश्चं शुको बलिः। दधीचि–विश्वकर्माणौ पृथुवाल्मीकिभार्गवाः।।
हनुमान, जनक, व्यास, वसिष्ठ, शुकदेव, राजा बलि, दधीचि, विश्वकर्मा, पृथु, वाल्मीकि, भार्गव (परशुराम)।।

(14) भगीरथश्चैकलव्यो मनुर्धन्वन्तरिंस्तथा। शिबिश्च रंतिदेवश्च पुराणोद्गीतकीर्तयः।।14।।
भगीरथ, एकलव्य, मनु, धन्वन्तरि, शिबि तथा रन्तिदेव की कीर्ति पुराणों में गायी गयी है।।

(15) बुद्धा जिनेन्द्रा गोरक्षः पाणिनिश्च पतजलिः। शङ्करोमध्वनिम्बार्कौ श्रीरामानुजवल्लभौः।।15।।
बुद्ध के सभी अवतार, सभी तीर्थकर, गुरु गोरखनाथ, पाणिनि, पतंजलि, शंकराचार्य, मध्वाचार्य, निम्भांर्काचार्य, रामानुजाचार्य तथा वल्लभाचार्य।।

(16) झुलेलालोऽथ चैतन्यः तिरुवल्लुवरस्तथा। नायन्मारालवाराश्च कंबश्च बसवेश्वरः।।15।।
झूलेलाल, चैतन्य महाप्रभु, तिरुवल्लुवर, नायन्मार तथा आलवार सन्त परम्परा, कम्ब तथा बसवेश्वर।।

(17) देवलो रविदासश्च कबीरो गुरुनानकः। नरसिस्तुलसीदासो दशमेशो दृढ़व्रतः।।17।।
महर्षिदेवल, सन्त रविदास, कबीर, गुरुनानक, नरसी मेहता, तुलसीदास तथा दृढ़व्रती गुरु गोविन्द सिंह।।

(18) श्रीमत् शङ्करदेवश्च बंधु सायण–माधवौ। ज्ञानेश्वरस्तुकारामे रामदासः पुरन्दरः।।18।।
असम के वैष्णव सन्त श्रीमत् शंकरदेव, सायणाचार्यमाधवाचार्य बनधु, सन्त ज्ञानेश्वर, तुकाराम, समर्थ गुरु रामदास तथा पुरन्दरदास।।

(19) बिरसा सहजानन्दो रामानन्दस्तथा महान्। वितरन्तु सदैवैते दैवीं सद्गुण–सम्पदम्।।19।।
बिरसा मुण्डा, स्वामी सहजानन्द तथा स्वामी रामनन्द आदि महान् पुरुष सदैव समाज को श्रेष्ठ गुण प्रदान करें।।

(20) भरतर्षिः कालिदासः श्रीभोजो जकणस्तथा। सूरदासस्त्यागराजो रसखानश्च सत्कविः।।20।।
नाट्य शस्त्र के आदि गुरु भरत ऋषि, संस्कृत के विद्वान कालिदास, महाराज भोज, जकण, महात्मा सूरदास, त्यागराज (तमिलनाडु के) तथा रसखान जैसे श्रेष्ठ कवि।।

(21) रविवर्मा भातखण्डे भाग्यचन्द्रः स भूपतिः। कलावन्तश्च विख्याताः स्मरणीया निरन्तरम्।।21।।
महान् चित्रकार रविवर्म तथा विख्यात वर्तमान संगीत कला के उद्धारक भातखण्डे, मणिपुर के राजा भाग्य चन्द्र आदि विख्यात कलाकार सर्वदा स्मरणीय हैं।।

(22) अगस्त्यः कमबु कौण्डिन्यौ राजेन्द्रश्चोलवंशजः। अशोकः पुष्यमित्रश्च खारवेलः सुनीतिमान्।।
अगस्त्य, कम्बु, कौण्डिन्य, चोलवंशज राजेन्द्र, अशोक, पुष्यमित्र तथा नीतिज्ञ खारवेल।।

(23) चाणक्य–चन्द्रगुप्तौ च विक्रमः शालिवाहनः। समुद्रगुप्तः श्रीहर्षः शैलेन्द्रो ब्पारावलः।।23।।
चाणक्य, चन्द्रगुप्त, पराक्रमी विक्रम, शालिवाहन, समुद्रगुप्त, हर्षवर्धन, शैलेन्द्र तथा बप्पारावलः।।

(24) लाचिद् भास्करवर्मा च यशोधर्मा च हूणजित्। श्रीकृष्णदेवरायश्च ललितादित्य उद्बलः।।
लाचिद् बड़फूकन भास्करवर्मा, हूणविजयी यशोधर्मा, श्रीकृष्णदेवराय तथा ललितादित्य जैसे बलशाली।।

(25) मुसुनूरिनायकौ तौ प्रतापः शिवभूपतिः। रणजीत्सिंह इत्येते विख्यातविक्रमाः।।25।।
मुसुनूरिनायकद्वय–प्रोलय नायक औश्र कप्पयनायक, महाराणा प्रताप, महाराज शिवाजी तथा रणजीत सिंह ये देश के विख्यात पराक्रमी वीर।।

(26) वैज्ञानिकाश्च कपिलः कणादः सुश्रुतस्तथा। चरको भास्कराचार्यो वराहमिहिरः सुधीः।।26।।
हमारे बुमिान वैज्ञानिक कपिलमुनि, कणाद ऋषि, सुश्रुत, चरक, भस्कराचार्य तथा वराहमिहिर।।

(27) नागर्जुनो भरद्वाजः आर्यभट्टो वसुर्बुधः। ध्येयो वयंकटरामश्च विज्ञा रामानुजादयः।।27।।
नागार्जुन, भरद्वाज, आर्य भट्ट, जगदीश चन्द्र वसु, चन्द्रशेखर, व्यंकटरमण तथा रामानुजम् जैसे प्रतिभावान वैज्ञानिक स्मरणीय हैं।।

(28) रामकृष्णो दयानन्दो रवीन्द्रो राममोहनः। रामतीर्थोऽरविंदश्च विवेकान्नद उद्यशाः।।28।।
रमकृष्ण परमहंस, स्वामी दयानन्द, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, राजा राममोहनराय, स्वामी रामतीर्थ, महर्षि अरविन्द तथा स्वामी विवेकानन्द।।

(29) दादाभाई गोपबन्धु, तिलकोगांधिरादृताः। रमणो मालवीयश्च श्री सुब्रह्मण्यभारती।।29।।
आदरणीय दादाभाई नौरोजी, गोपबन्धु दास, लोकमान्य आल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी, महर्शि रमण, महामना पदनमोहन मालवीय तथा सुब्रह्मण्य भारती।।

(30) सुभाषः प्रणवानन्दः क्रांतिवीरो विनायकः। ठककरो भीमरावश्च फुले नारायणे गुरुः।।30।।
नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, प्रणवानन्द, क्रान्तिवीर विनायक दामोदर सावरकर, ठककर बाप्पा, भीमराव अम्बेडकर, ज्योतिराव फुले तथा नारायण गुरु।।

(31) संघशक्तिप्रणोतारो केशवो माधवस्तथा। स्मरणीयाः सदैवैते नवचैतन्यदायकाः।।31।।
संघ–शक्ति के प्रणेता परम् पूजलीय केशव बलिराम हेडगेवार तथा माधव सदाशिव गोलवलकर हिन्दू समाज में नवीन चेतना प्रदान करने वाले ये सभी महापुरुश सदैव स्मरणीय हैं।।

(32) अनुक्ता ये भक्ताः प्रभुचरणसंसक्तहृदयाः। अनिर्दिष्टा वीरा अधिसमरमुद्ध्वस्तरिपवः।
समाजोद्धर्तारः सुहितकर विज्ञान–निपुणाः नमस्तेभ्यो भूयात् सकलसुजनेभ्यः प्रतिदिनम्।।32।।
प्रभुचरण में अनुरक्त रहने वाले अनेक भक्त जो शेष रह गये, देश की अस्मिता और अखण्डता पर प्रहार करने वाले शत्रुओं को युद्ध में परास्त करने वाले बहुत से वीर जिनका नाम ज्ञात नहीं है, जथा अन्य समाजोद्धारक, समाज के हितचिंतक तथा निपुण वैज्ञानिक एवं सभी श्रेष्ठजनों को प्रतिदिन हमारे प्रणाम समर्पित हों।।

(33) इदमेकात्मतास्तोत्रं श्रद्धया यः सदा पठेत्। स राष्ट्रधर्मनिष्ठावान् अखण्ड़ भारतं स्मरेत्।।33।।
इस एकात्मता स्तोत्र का जो सदा श्रद्धापूर्वक पाठ करेगा, राष्ट्रधर्म में निष्ठावाला वह (व्यक्ति) अखण्ड भारत का स्मरण करेगा।।

।। भारत माता मन्त्र।।

एकात्मता मन्त्र

(1) यं वैदिका मन्त्रदृशः पुराणा इन्द्रं यमं मातरिश्वानमाहुः।
वेदान्तिनोऽनिर्वचनीयमेकं यं ब्रह्मशब्देन विनिर्दिशन्ति।।1।।
प्राचीन काल के मन्त्रद्रष्टा ऋषियों ने जिसे इन्द्र, यम, मातरिश्वा कहकर पुकारा और जिस एक अनिर्वचनीय को वेदान्ती 'ब्रह्म' शब्द से निर्देश करते हैं।

(2) शैवा यमीशं शिव इत्यवोचन् यं वैष्णवा विष्णुरितिस्तुवन्ति।
बुद्धस्तथाऽर्हन्निति बौद्धजैनाः सत्–श्री–अकालेति च सिक्ख संतः।।2।।
शैव जिसको शिव और वैष्णव जिसको विष्णु कहकर स्तुति करते हैं, बौद्ध और जैन जिसे बुद्ध और अर्हन् कहते हैं तथा सिक्ख सन्त जिसे सतश्री अकाल कहकर पुकारते हैं,

(3) शास्तेति केचित् प्रकृतिः कुमारः स्वामीति मातेति पितेति भक्त्या।
यं प्रार्थयन्ते जगदीशितारं स एक एव प्रभुरद्वितीयः।।3।।

जिस जगत के स्वामी को कोई शास्ता तो कोई कुमार स्वामी कहते हैं, तो कोई स्वामी, माता, पिता कहकर भक्तिपूर्वक प्रार्थना करते हैं– वह प्रभु एक ही है और अद्वितीय है अर्थात् जिसका कोई जोड़ नहीं है।

सुभाशित

अमंत्रमक्षरं नास्ति, नास्ति मूलमनौषधम्। अयोग्यः पुरुषो नास्ति, योजकस्तत्र दुर्लभः।।

अन्वय–अमंत्रम् अक्षरम्, न अस्ति, न अस्ति, मूलम्, अनौषधम्।

अयोग्यः, पुरुषः न, अस्ति योजकः, तत्र, दुर्लभः।

अर्थ :– कोई भी अक्षर ऐसा नही होता है जिससे मंत्र ना बन सकता ऐसी कोई वनस्पति नहीं जिसकी औषधि नहीं बन सकती। प्रत्येक व्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। केवल योजक की आवश्यकता है। कोई भी वस्तु निरुपयोगी नहीं है। उसके उपयोग करने की क्षमता वाले व्यक्ति की आवश्यकता है।

सुभाषित

भद्रमिच्छन्त ऋषयः स्वर्विदः तपो दीक्षामुपायेदुरग्रे
ततो राष्ट्र बलमोजञ्च जातं तदस्मै देवा उपसन्नमन्तु। अथर्ववेद।

आत्मज्ञानी ऋषियों ने जगत का कल्याण करने की इच्छा से सृष्टि के प्रारम्भ में जो दीक्षा लेकर तपं किया, उससे राष्ट्र निर्माण हुआा, राष्ट्रीय बल और ओज भी ओज भी उत्पन्न हुआ इसलिए सब देवगण इस राष्ट्र के सामने विनत होकर इसकी सेवा करें।

यं शैवाः समुपासते शिव इति ब्रह्मेति वेदान्तिनो
बौद्धा बुद्ध इति प्रमाणपटवः कर्तेति नैयायिकाः।
अर्हन इत्यथ जैनशासनरताः कर्मेति नैयायिकाः।
सोयं नो विदधातु वाञ्छितफलं त्रैलोक्यनाथो हरिः।।

अर्थ :– शैव जिसे शिव, वेदान्ता जिसे ब्रह्म, बौद्ध जिसे बुद्ध, प्रमाणपटु नैयायिक जिसे कर्ता, जैन जिसे अर्हत् तथा मीमांसक जिसे कर्म नाम से व्यवहृत करते हैं, वह त्रिलोकी का स्वामी परमेश्वर हरि हमें वाञ्छित फल प्रदान करें।

।। श्री।।
भोजन पूर्व उच्चारणीय मंत्रा

ब्रह्मार्पणं ब्रह्महविर् ब्रह्माग्नौ ब्रह्मणा हुतम्। ब्रह्मैव तेन गन्तव्यं ब्रह्मकर्मसमाधिना।।

(गीता)

अर्थ :– यज्ञ में आहुति देने के साधन (स्रुक–स्रुवा हाथ की मृगि–हंस–व्याघ्र आदि मुद्रायों) अर्पण भी ब्रह्म है, हवन करने का पदार्थ हवि भी ब्रह्म है, ब्रह्मरूपी अग्नि में ब्रह्मरूप होमकर्ता द्वारा जो हवन किया गया, वह ब्रह्म है। अतः ब्रह्मरूप कर्म में समाधिस्थ पुरुष के द्वारा जो प्राप्त होने योग्य है वह ब्रह्म ही है।

ॐ सहनाववतु। सहनौ भुनक्तु। सहवीर्यं करवावहै। तेजस्विनावधीतमस्तु मा विद्विषावहै।

।। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ।।

(कृष्ण यजुर्वेद उपनिषद्)

अर्थ :– हम दोनों (गुरु और अन्तेवासी शिष्य) परस्पर मिलकर सुरक्षा करें। हम मिलकर भोग करें (देश में कोई भूखा न रहे)। हम साथ–साथ मिलकर शौर्य करें (राष्ट्र में परचक्र आने पर युद्ध करें)। हम (देश के संगठन रूपी तपश्चर्या से) उज्जवल एवं प्रदीप्त हों। हमारा अध्ययन तेजस्वी हो। परस्पर द्वेष न करें तो त्रिविध तापों (आधिभौतिक, आधिदैविक, आध्यात्मिक) से शान्ति प्राप्त हो।

।। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ।।

वेद मंत्र

समानी व आकूतिः समाना हृदयानि वः। समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति।।

तुम्हारी भावना याः संकल्प समान हों, तुम्हारे हृदय समान हों। तुम्हारा मन समान हो, जिससे तुम लोग परस्पर सहकार कर सको।

सूर्य नमस्कार–मन्त्रः

ध्येयः सदा सवितृमडल मध्यवर्ती नारायणः सरसिजासन– सनिविष्टः
केयूरवान् मकर–कुण्डलवान् किरीटी हारी हिरणमय वपुर्धृत–शंख–चक्र।।

1. ॐ मित्राय नमः
2. ॐ रवये नमः
3. ॐ सूर्याय नमः
4. ॐ भानवे नमः
5. ॐ खगाय नमः
6. ॐ पूष्णे नमः
7. ॐ हिरण्यगर्भाय नमः
8. ॐ मरीचये नमः
9. ॐ आदित्याय नमः
10. ॐ सावित्रै नमः
11. ॐ अर्काय नमः
12. ॐ भास्कराय नमः
13. ॐ श्री सवितृसूर्यनारायणाय नमः

आदित्यस्य नमस्कारान् ये कुर्वन्ति दिने दिने। आयुः प्रज्ञाबलंवीर्यं तेजस्तेषां तेजस्तेषा च जायते।। अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्।। सूर्यपादोदकं तीर्थं जठरे धारयाम्यहम्।।

डॉ. वी. पी. शर्मा
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (संस्कृत)

जीवनदर्शनम्

काचित् तरुणी। तस्याः पिता महाज्ञानी। कदाचित् तरुण्याः जन्मदिनम् उपस्थितम्।
तत् निमित्ती कृत्य पिता तस्यै एकं बन्धं दत्त्वा अवदत्–''वत्से !
तव जन्मदिनं निमित्तीकृत्य मया दीयमानम् उपायनम् एतत्।
एतस्य अन्तः जीवनदर्शनम् अस्ति'' इति।
तरुणी तं बन्धं स्वीकृत्य प्रकोष्ठं गतवती, जागरूकतया तम् उद्घाटितवती च।
बन्धस्य अन्तः तिस्त्रः लघुपेटिकाः आसन। ताः तिस्त्रः अपि चित्ताकर्षिकाः।

त्रुणी कुतूहलेन प्रथमां पेटिकाम् उद्घाटितवती। तत्र कश्चन दर्पणः आसीत्। तत्र लिखितम् आसीत्–'अद्यतनी त्वम्' इति। द्वितीयायां पेटिकायां कश्चन कपालः आसीत्। तत्र लिखितम् आसीत्–'भाविनी त्वम्' इति। अनयोः तात्पर्यम् अनवगच्छन्ती तरुणी तृतीयांपेटिकाम् उदघाटितवती। तत्र ध्यानमुद्रागतस्य मुनेः लघुप्रतिमा आसीत्। तत्पर्श्वे लिखितम् आसीत्–'तव शाश्वतं रूपम्' इति।

एतेषां त्रयाणामपि उपायनानाम् अन्तर्यम् अजानती तरुणी प्रवृत्तं सर्वं विवृत्य पितामहीम् अपृच्छत्–''त्रयाणामपि किं तात्पर्यम् ?'' इति।

थ्पतामही क्षणं विचिन्त्य अवदत्–''वत्से ! दर्पणः वर्तमानस्य सक्ङेतः। तवं शद्यशी स्याः तदेव रूपं दर्शयति दर्पणः। प्रतिदिनं दर्पणं द्यष्ट्वा आत्मस्वरूपस्य विमर्शनं करणीयम् इति प्रथमस्य उपायनस्य अर्थः।''

''थ्द्वतीयमुपायनं कपालः किं सङेतयति ?'' – अपृच्छत् तरुणी।
पितामही अवदत् – ''सः भाविदशां सङेतयति। जातस्य मरणं ध्रुवम् इति तत्त्वं स्मारयति तत्।''
''तृतीयस्य उपायनस्य किं तात्पर्यम् ?'' – तरुणी पुनः अपृच्छत्।
''तृतीयम् उपायनम् अस्मासु स्थितां दिव्यतां सङेतयति।

सर्वस्मिन् अपि दिव्यता अस्ति एव। तां स्मृत्वा तस्य वर्धनाय प्रयासः करणीयः। अस्माकं शाश्वतं स्वरूपं तदेव। तस्य विकासात् सर्वेऽपि सार्थकतां प्राप्नुवन्ति। एवम् आत्मनिरीक्षणं कुर्वद्भिः सर्वैः जीवनस्य अशाश्वततां मनसि निधाय दिव्यत्मप्राप्तये निरन्तरं प्रयासः करणीयः। एतदेव जीवनतत्त्वम्। तदेव स्मारितं तव पित्रा'' इति विवृतवती पितामही।

क्षितिज दशमी ब

अभिवादन शीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वाति तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्।।

जो विद्यार्थी प्रातः उठकर बड़ों को प्रणाम करते हैं। बड़ों की आज्ञा का पालन करते हैं। उन की चार ..... चीज़ें बढती हैं। आयु, विध्या, यस और बल।

इस श्लरेक से हमें यइ शिक्षा मिलती है कि हमें बड़ों का आदर सत्कार करना चाहिये। बड़ों के आशीर्वाद लेना चाहिये। उनका आशर्विाद हमारे लिए उन्नति देने वाला सिद्ध होगा।

नाम : प्रज्ञा शर्मा
कक्षा : शठी रोलनम्बर : 25

मेरे सपनो का भारत हरा–भरा भारत स्वच्छ भारत

एक कार्य करें भला स्वच्छ रखे गली–मोहल्ला।
कूड़ा सदा कूड़ेदान में ही डाले।

आइए बनाएँ स्वच्छ सदस्य सुंदर अपना देश।
स्वच्छ भारत का जन अभियान जाग रहा है हिंदुस्तान।

गली मोहल्ला और मकान जन–जन तक पहुँचे यह पैगाम।

उज्जवल भारत का सपना, स्वच्छ वातावरण हो अपना
स्वच्छ विचारों का प्रतिपादन तभी होता है,
जब हम स्वच्छ वातावरण में विचरते रिते है।

नाम : दृष्टि भगत
कक्षा : 6वी 'स'

हँसते – हँसते

नीलू :– मेरे पापा बचपन मे बहुत ताकतवर थे।
मिनी :– तुम्हें कैसे पता ?
नीलू :– दादा जी कहते है, जब पापा रोते थे ते सारा घर सिर पर उठा लेते थे।
पापा : मुन्नू तुम्हारे गणित मे कितने नबंर आए है?
मुन्नू : भैया से दस कम।
पापा : भैया के कितने नबंर आए है?
मुन्नू : पूरे दस।

टीचर : राहुल तुम्हारी कॉपी खाली है, मेने चिडिया बनाने को कहा था।

राहुल : मैडम, बनाई तो थी , लगता है चिड़िया उड़ गई।

सोनू : भालू के बाल लबे क्यों होते है ?

पिंकी : क्यो कि जंगल में भाई नही होता।

सोनू : बताओ आसमान इतना ऊँचा क्यो है ?

मोनू : ताकि किसी पक्षी का सिर न टकरा जाए।

नाम : दृष्टि भगत
कक्षा : 6वी 'स'

कविता

"कुछ खो गया है मेरा"

1. किताबों की उलट–पलट, कापियों की उथल–पुथल, कलमों की खनखनाहट।
   अजी क्या ढूँढते हो ?
   कुछ खो गया है मेरा, बस! उसी को ढूँढते हैं।
2. मुट्ठियाँ भर–भर रेत की, समेंटने की कोषिष, सखती हे रेत को बार–बार, पकड़ने सी हरकत।
   अजी क्या करे रहे हो ?
   बिखर गया है कुछ मेरा, उसे समेट रहा हूँ।
3. षून्य मे घूरती सूनी आँखे , वकत के पल–पल का हिसाब करती।
   अजी क्या सोच रहे हो ?
   कुछ उड गया यहाँ से, बस दूरी नाप रहे हैं।
4. स्कूल को चार दीवारी टटोलते, फूल पत्तियों मे कुछ तलाषते।
   अजी क्या परख रहे हो ?
   कोई छिप गया है मेरा, उसे तलाष रहा हूँ कुछ बताओगे भी, या यूँही परेषान किए जाओगे ?
   क्या बताये तुम्हें कि, खो गया है मेरा बचपन।
5. ढूँढ़ता हूँ जिसे बस्ते की किताबों मे समेटना चाहती हूँ जिसे अपनी मुटठी में ढूढ़ती हूँ जिसे उडते बादलों में, फूलों और पत्तियों में।
   अजी ये भी कोई तुक हुई इस उमर में ?
   क्या करें भाई, उस निष्छल वक्त को, आज फिर पाने की चाह हुई। मगर जिम्मेदारियों के बोझ तले, दब गया है मेरा बचपन
6. नहीं साहब नहीं, आप गलत फरमा रहे हैं। कौन कहता है, कि खो गया तुम्हारा बचपन ?
   बो देखो–बो देखो, हँसते–खेलते बच्चों को वो रहा–वो रहा, उन बच्चों में
   पनपता, महकता हमारा बचपन।

कुषल षर्मा

केंद्रीय विद्यालय सुन्जुवान जम्मू

संस्कृत विभाग: सम्पादक मण्डलम्

विद्यालय पत्रिका 2019-20

सम्पादकीयम्

1. विमकित परिचय:

2. विद्या महिमा

3. अमृतं संस्कृतम्

4. सुभाषितानि

5. संस्कृतस्य ध्येय वाक्यानि

6. नीति शलोका:

7. संस्कृत भाषाया: महत्वम् एकात्मता मन्त्र

8. गायत्री महामन्त्र वन्दना

9. केन्द्रीय विद्यालय संगठनस्य आदर्शवाक्यम्

10. राष्ट्रीय प्रार्थना

11. ग्रन्थ नामानि लेखका:

12. दैनिक व्यवहारश्लोका:

संस्कृत सप्ताह समारोह

संस्कृत विभाग:

सम्पादक मण्डलम्

सम्पादक:

डॉ० वेद प्रकाश शर्मा प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक(संस्कृत)

छात्र सम्पादक: १. क्षितिज़ पराशर(कक्षा बारहवीं)

२. कीर्ति भाऊ(नवमी)

३. फलक भगत(नवमी)

सम्पादकीयम

ॐ हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुरवम् ।

तत् त्वं पूषन् अपावृणु सत्यधमयि दृष्ट्ये ॥

ॐ शन्नो मित्र : शं वरुण:

शन्नो भवत्वर्यमा,

शन्न इन्द्रो वृहस्पति:

शंनो विष्णु विष्णुरुरुक्रम:

नमो ब्रह्मणे नमस्ते वायो

त्वमेव प्रत्यक्षं ब्रह्मासि

त्वामेव प्रत्यक्षं ब्रहा वदिष्यामि

ऋतं वदिष्यामि सत्यं वदिष्यामि

तन्मामवतु तद्धक्तारमवतु

अवतु माम् अवतु वक्तारम्

ॐ शान्ति: शान्ति: शान्ति:

प्रिय पाठकवार्य:

सर्वेम्यो नमः

सर्वे जानन्ति यत् संस्कृत भाषा

विश्वस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति, इयं

भाषा भारतवर्षस्य संस्कार भाषा अपि
कश्यते , एतस्या: भाषाया: इयं अन्यतमा
विशेषता यत अस्या : वाङ्मये
विधमाना: सूकतय: अम्युदयाय प्रेरयन्ति,

हर्षस्य विषयोऽयम् यत्
पाठकनाम् कृते अस्मांक विघालयस्य

पत्रिकाया वाषिक पकाशन भवित

पश्रिकायाम अस्याम संस्कृत विभाग अन्तर्गते, अनैकानाम, श्लोकानाम, गीतानाम्, शिक्षाप्रदकथानाम् समावेश: अस्ति | अस्माकं विद्यालयस्य प्राचार्यवर्य: श्रीमान मनीष तुली महाभागस्य कुश्ल नेतृत्वेन मार्ग दर्शनानुसारेण च तथा छात्राणां सहयोगेन च कार्यमेतत् सम्पन्नं जातम् | आशासे पश्रिकाया संस्कृतस्य छात्रा: अपितु भारतीय संस्कृते अनुरागिन अन्ये छात्रा: अन्या: छात्रास्च, अपि संस्कृत साहित्यस्य अत्तिमहत्वपूर्ण उद्धरणँ सूक्तीन अथवा कानिचित वेदमन्श्रणि च समृत्वा तान् व्यवहारे आनेतुम् प्रयांस कुर्वन्तु | एतेन संस्कृत भाषा सुद्रृढं भविष्यति सभीक्षकानां परामर्शी सर्षषण स्वीकियन्ते |

जयतु संस्कृतम्

जयतु भारतम्

डाँ० वेद प्रकाश शर्मा

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक(संस्कृत)

एकात्मता मन्त्र

यं वैदिका मन्त्रदृशः पुराणाः,

इन्द्रं यमं मातरिशवानमाहु:।

वेदानितनोऽनिवचनीयमेकं ,

यं ब्रह्माशब्देन विननिर्दिशान्ति ।।

शैवा यमीशं शिवं इत्वोचमन् ।

यं वैष्णवा विष्णुरितिस्तुवन्ति ।

बुद्धस्तथाऽहनिनति बौद्ध जैनाः,

सत् श्री अकालेति च सिक्खसन्तः ।।

शास्तेति के चित प्कृतिः कुमार:,

स्वामीति मातेति पितेति भक्त्या ।

यं प्रार्थयन्ते जगदीशितांर,

स: एक एव प्रभुरदि्तीयः।।

अर्थात्

प्राचीन काल के मन्त्रदष्टा एक अनिर्वचननीय को बेदानत्ती ब्रह्मा शब्द् से निर्देश करते है,शैव जिसको शिव और वैष्णव जिसको विष्णु कहकर स्तुति करते है, बौद्ध और जैन जिसे बुद्ध और अहेन् कहते है तथा सिक्ख सन्त जिसे सतश्री आकाल कहकर पुकारते है, जिस जगत के स्वामी को कोई शास्ता तो कोई कुमार स्वामी कहते है, तो कोई स्वामी, माता - पिता कहकर भकितपूर्वक प्रार्थना करते है ! वह प्रभु एक ही है और अदितीय है अर्थात् जिसका कोई जोड़ नहीं है ।

राष्ट्रीय पार्थना

ओम आ ब्रह्ननन् ब्राहनाणो ब्रह्नावर्चसी जायतामाराषट्

राजन्य : शुरइषव्योज्तिव्याघी महारथो जायाताम्

दोग्घी धेनुर्बोदानद्वाशु : सत्ति पुरनिधर्य़ोषाच,

जिष्णू रथेषठाः सभेयो युवास्य यजामनस्य वीरो

जायतां निकामे निकामे नः पर्जन्यो वर्षतु

फलवत्यो नऽओषधय ": पच्यन्तां योगक्षेमो नः कलपताम्

||

अर्थात्

ब्राह्मण स्वराष्ट्र मे हों दिज ब्रह्म तेजधारी |

क्षत्रिय महारथी हों अरिदल - विनाशकारी ||

होवें दुधारे गौएँ पशु अशव आशुवाही |

आधार राष्ट की हों नारी सुभगा सदा ही ||

बलवान सभ्य योद्धा यजमान- पुत्र होवें |

इच्छानुसार वर्षे पर्जन्य ताप धोवें ||

फल फूल से लदी हों औषघ अमोध सारी |

हो योगक्षेमकारी स्वाधीनता हमारी ||

क्षितिज़ पराशर

बारहवी कक्षा

ग्रन्थ् नामानि, लेखकाः

1. रामायण	आदिकवि वालमीकि :
2. महाभारतम्	महर्षि वेदव्यास :
3. अभिज्ञानशाकुनतलम्	महाकवि कालीदास :
4. मेघदूतम्	महाकवि कालीदास :
5. कादमबरी	बाणभट्ट :
6. राज़तरङ्गिणी	कलहण :
7. नैषधचरितम्	त्रीहर्ष :
8. रघुवंशम्	कालीदास :
9. कुमारसम्भवम्	कालीदास :
10. किरातार्जूनीयम्	भारवि :
11. शिशुपालवधम्	माध :
12 विक्रमाङ्कदेवचरितम्	विल्हण :
13 विक्रमोर्वशीयम्	कालीदास :
14 मालविकागिनमित्रम्	कालीदास :

15 ऋतुसंहारम् कालीदास :

16 नीतिशकतम् , श्रृंतगारशतकम्, भृतहरि :

17 साहित्यदर्पणम् विश्वनाथ :

18 पंचतन्त्रम विष्णुशर्मा :

19 मृच्छकटिकम् शूद्क :

20 हितोपदेश नारायनभट्ट :

21 कथासरित्सागर सोमदेव :

22 अष्टाध्यायी पाणिनी :

23 योगसूत्र महर्षि पतंजलि :

24 चरक संहिता महर्षि चरक :

25 सुश्रुत संहिता महर्षि सुश्रुत :

26 बराहमिहिर आर्यभट्ट :

अनामिका मेहरा

सातवी ब

गायत्री महामन्त्र

ओ३म् भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गोदेवस्य धीमहि

धियो यो नः प्रचोदयात्।।

शब्द अर्थ

ओ३म् सत्य, स्वरूप, सर्वव्यापक, अविनाशी, महाप्रभु का सर्व उत्तम नाम है।

भू	:	प्राण आधार प्राण रक्षक
र्भूव	:	दुःख विनाश के दुःखहर्ता
स्व	:	सुख स्वरूप, आनन्द का दाता
तत	:	वह (ईशारा परमात्मा की ओर है)
सवितु	:	प्रकाश स्वरूप, तेजवान, सर्वउत्पादिक, (भौतिक अर्थ में सूर्यदेव)
र्वरण्यं	:	सर्वश्रेष्ठ, वरण करने, ग्रहण करने योग्य
भर्गो	:	शुद्ध स्वरूप पवित्र
देवस्य	:	देवता स्वरूप, सदा देते रहने वाले
धीमहि	:	ध्यान करने योग्य, धारण करने योग्य
धियो	:	बुद्धियों को
यो	:	सविता देव अर्थात परमात्मा
न	:	हमारी, हम सभी की
प्रचोदयात	:	शुभ कर्मो में लगाए, सद्मार्ग दिखाए प्रेरित करे।

गायत्री ज्ञान

ओ३म् भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गोदेवस्य धीमहि

धियो यो नः प्रचोदयात्।।

भावार्थ

हे सर्व रक्षक, दुख हर्ता, प्राण आधार, सर्वाधार, समग्र ऐश्वर्य के दाता, सत् चित् आनन्द स्वरूप परमात्मा। आप सकल जगत उत्पादक सर्वश्रेष्ठ पाप विनाशक और दिव्य गुणों का केन्द्र है। आप वर्णीय है, मल रहित, निर्लेप, शुद्ध, पवित्र हैं। हम आपके दिव्य तेज़ का ध्यान करते हैं। आप हमारी बुद्धियों के प्रेरक हैं, अर्थात् आप हम की बुद्धियों को सन्मार्ग में प्रेरित कीजिये।

विद्या महिमा

च चौरहार्य न च राजहार्य

न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।

व्यये कृते वर्धत एव नित्यं

विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।।2।।

विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छत्रगुप्तं धनम्

विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरूणां गुरूः।

विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परा देवता

विद्या राजसु पूज्यते न हि धनं विद्या–विहीनः

पशुः।।2।।

केयूराः न विभूषयन्ति पुरूषं हारा न चन्द्रोज्जवला

न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं ना लङ्कता मूर्धजाः।

वाण्येका समलङ्करोति पुरूषं या संस्कृता धार्य ते

क्षीयन्तेऽखिलभूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्।।3।।

विद्या नाम नरस्य कीर्तिरतुला भाग्यक्षयेचाश्रयः

धेनुः कामदुघा रतिश्च विरहे नेत्रं तृतीयं च सा।

सत्कारायतनं कुलस्य महिमा रत्नैर्विना भूषणम्

तस्मादन्यमुपेक्ष्य सर्वविषयं विद्याधिकारं कुरू।।4।।

अनामिका मेहरा

सातवी 'ब'

संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्

'संस्कृतं' शब्दस्य अर्थः अस्ति सम्यक् प्रकारेण परिष्कृतम्। अर्थात् व्याकरणेन यत् परिष्कृतम् तदेव 'संस्कृतं' इति कथ्यते।

इयं हि भाषा शुद्ध, परिष्कृता सर्वदोषशून्याच अस्ति, अतः देव–वाणी, गीर्वाण भारती, अमरभाषा इत्यादिभिः शब्दैः व्यवहियते। इयम् एका रम्या, दिव्या, मधुरा, सरला, सरसा च भाषास्ति। संस्कृतं संसारस्य प्राचीनतमा भाषास्ति। प्राचीनकाले न काऽपि अन्या भाषा एतावत् समृद्धा आसीत। एषा संसारस्य सर्वासामेव भाषा उद्गमा जननी च इति स्वीकुर्वन्ति सर्वे प्राचीनग्रन्थाः चत्वारः वेदाश्च संस्कृतभाषायामेव निबद्धाः सन्ति। 'विश्वस्य प्राचीनतमः ग्रन्थः ऋग्वेदः इति सर्वे भाषा विदाः स्वीकुर्वन्ति। चत्वारः वेदाः ब्राह्मणग्रन्थाः, उपनिषदाः, स्मृतिग्रन्थाश्च वैदिक साहित्यमेव वर्तते। वैदिक–साहित्य, भारतीय संस्कृतेः साहित्यस्य, कलायाः च उद्गममस्ति। विश्वविश्रतं आदि–काव्यं रामायणं, महाभारत अष्टादश पुराणनि गद्य साहित्यं, काव्य सहित्यं, कथा–साहित्यं, नाटकानि च सस्कृतभाषायां विद्यन्ते।

विभक्तिपरिचयः

श्लोक विभक्तिः परिचयः

1. **रामोराजमणिः सदा विजयते रामं रमेशं भजे**

रामेणाभिहता निशाचर चमू रामाय तस्मै नमः।

रामात् नास्ति परायणं पस्तरं, रामस्य दासोऽस्महं

रामे चित्तालयः सदा भवतु मे, भो राम। मामुद्धर।

2. कृष्णो रक्षतु नो जगत्त्रयः गुरू कृष्णं नमाक्यंद

कृष्णेन बहुशत्रवो विनिहिता कृष्णाय तस्मै नमः।

कृष्णात् एवं समुत्थितं जगदिदं कृष्णस्य

दा**सो**ऽस्महं

कृष्णे तिष्ठति विश्वमेतदखिलं, भो कृष्ण।

रक्षस्व माम्।।

1 **प्रथमा विभक्तेः प्रयोगः**

क) धृति क्षमा दमोऽस्तेयं शौचामन्द्रियनिग्रहः।

धीविद्या सत्यमक्रोधः दर्शक धर्मलक्षणम्।।

ख) षड्दोषाः पुरूषेण हा**तव**या भूतिमिच्छता।

निन्द्रा तन्द्रा भ्यं क्रोधम् आलस्यं दीर्घसूत्रता

2 **द्वितीया विभक्तेः प्रयोगः**

क) कर्पूरगौंर करूणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारम्।

सदा वसन्तं हृदयारबिन्दे भवं भवानी सहितं नमामि।

ख) मूकं क**रो**ति वाचालं पङगु लङ्धयते गिरिम्।

यत्कृपा तमहं वन्दे परमानन्द–माधवमग

3 **तृतीयाविभक्तेः प्रयोगः**

क) मणिना वंलय वलयेन कणिः

मणिना वलयेन वि**भ**ति करः

कविना च विभुर्विभुना च कवि

कविना विभुना च विभति सभा

ख) **क्षेत्रं** श्रुते**नै**व न कुण्डलेन

दानेन पार्णिन तु कङ्कणेन

विभाति काया करूणापराणां

परोपकरेण न चन्दनेन

4 **चतुर्थी विभक्तेः प्रयोगः**

क) नागेन्द्रहरा**य** त्रिलोचना**य** भस्माङगराग**य** महेश्वराय

नित्याय शुद्धाय दिगम्बराय तस्मैं 'न' काराय नमः शिवाय

ख) विद्या विवादाय धनमादाय शक्तिः परेषां परपीडनाय

खलस्य सा**धो**र्विपरीतमेतद ज्ञाना**य** दानाय च रक्षणाय

5 **पंचमी विभक्तेः प्रयोगः**

क) क्रोधात भवति समोहः सम्मोहात स्मृति विभ्रमः।

स्मृति भ्रंशात् बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात् प्रणश्यति।

ख) विद्या ददाति विनयं विनायाद्याति पात्रताम्।

पात्रत्वाद् धनम् आप्**नो**ति धनाद धर्मतत्तः सुखम्।

6 षष्ठी विभक्तेः प्रयोगः

क) अलस्स्य कुतो विद्या, अविद्यस्य कुत्तो सुखम् अधनस्य कुत्तो मित्रम् अमित्रस्य कुतः सुखम्।।

ख) अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।

चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशोब**ल**म्।।

7 सप्तमी विभक्तेः प्रयोगः

क) मुण्डे मुण्डे मतिर्भिन्ना कुण्डे–कुण्डे नव पथः

जातौ जातौ न वाचारा नवा वाणी मुखे मुखे

ख) शैले शैले न मणिवयं मौवितकं न **गजे गजे**

साधवो न हि सर्वत्र चन्दन न वने–वने सम्बीधम्

क) **रेरे** चातक। सावधान मनसा मित्र क्षणे श्रयताम् अम्योदा बहवो हि सन्ति गगने

सर्वेऽपि नैताद्धशाः।

के चिद् वृष्टि भिराद्वयन्ति वसुधां ग**र्जी**न्त केचिद् **वृ**था यं यं पश्यसि तस्य तस्य

पुर**तो** माब्रूहि दीनंवचः।।

ख) भो दारिद्रय। नमस्तुभ्यं सिद्धोऽहं त्वत्प्रसादात्

पश्यामिं अहं जगत्सवम् । न माम् कश्चन् पश्यति।

वन्दना

सह नाववतु सह नौ भुनक्तु सहवीर्यं करवावहै तेजस्वि नावधीतमस्तु मा विद्विषावहै ॥

सडग॰चछछवं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम देवा भागं यथा पूर्व सञ्जानाना उपासते

भावार्थ

वह ईश्वर हमारी रक्षा करें

साथ - साथ हमारी पालन करें

हम लोग सहयोगपूर्वक अपने बलं एव पराकम को उन्नत करें

हमारा पठनपाठन तेजस्वी हो

हम लोग आपस में कभी विदेष न करें अथति् सदा मिलकर रहे ।

हम लोग एक साथ चलें

आपस में प्रेम से बोलें

हम लोग एक- दूसरे के मन को अच्छी तरह समझतें जैसे देवता और हमारे पूर्वज एक- दूसरे के भाग को समझते हुए अपने अशं का गहण करते थे , वैसे ही हम भी करें ।

शबिस्तान

सातवी

संस्कृतस्य ध्येयवाक्यानि

संस्कृतभाषायाः एका अन्यतमा विशेषता वर्तते। यत् अस्याः सरलाः संस्कार–समन्विताः प्रेरणा–प्रदायकाश्च सूक्त्यः नितराम् अभ्युदयाय प्रेरयन्ति।

संस्थानाम् नामानि		संस्कृत सूक्तयः (ध्येयवाक्यानि)
भारत सर्वकारः	–	सत्यमेव जयते
केन्द्रीय विद्यालय संगठनम्	–	तत् त्वं पूषन् अपावृणु
जीवन बीमा निगमः	–	योगक्षेमं वहाम्यहम्।
थलसेना	–	वीर भोग्या वसुन्धरा।
जलसेना	–	नभः स्पृशं दीप्तम्।
आकाशवाणी	–	बहुजनहिताय, बहुजनसुखाय
दूरदर्शनम्	–	सत्यं शिवं सुन्दरम्।
डाक घर	–	अहर्निशं सेवामहे
लोकसभा अध्यक्षः	–	धर्मचक्रप्रवर्तनाय।
एन–सी–ई–आर–टी	–	विद्यायाऽ मृतमश्नुते।
दिल्ली वि. वि दिल्ली	–	निष्ठा धृतिः सत्यम्।
जीवा जी वि. वि ग्वालियर	–	विद्यया प्राप्यते तेजः।
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थानाम्	–	योऽनूचानः सनो महान्।
हरियाणा सर्वकारः	–	योगः कर्मसु कौशलम्।

दैनिक व्यवहारश्लोका:

VERSES FOR DAILY USE

प्रात : पठनीया: श्लोका:

Versus to be recited in the morning

कराग्रे वसते लक्ष्मी: करमध्ये सरस्वती |
करमूले स्थिता गौरी प्रभाते कर दर्शनम् ॥1॥

Karagee vasate lakshmih karamadhye saraswati |

Karamule sthita gauri prabhate karadarshanam ||

कर के अग्रभाग में लक्ष्मी,मध्यभाग में सरस्वती तथा मूलभागमें गोरी निवास करती है, इसलिए प्रात:कर दर्शन करना चाहिए |

Lakshmi resides at the tips of the fingers, saraswati in the middle of the hand(palm) and Gauri at the roots of the palm(near the wrists). Thus the hand should be seen in the morning.

समुद्रवसने देवि ! पर्वेतस्तनमण्डिते |
विष्णुपत्नि नमस्तुभ्यं पादस्पर्शम् क्षमस्वमे || २||

Samudravasane devi ! parvatastanamandite |
Vishnupatni namastubhyam padasparsham Kshamasva me ||

समुद्ररूपी वस्त्रो को धारण करने वाली पर्वत रूपी स्तन वाली, भगवान विष्णु की पत्नी, हे भगवान विष्णु की पत्नी, वसुधा देवी मैं आपको नमस्कार करता हूं, तुम मेरे पादस्पर्श को क्षमा करो |

O Devi (Earth),wife of lord Vishnu, whose clothes are the ocean, whose breasts are the mountains, I salute you and beg your forgiveness for placing my feet on you.

अहल्या कन्या द्रौपदी सीता तारा मन्दोदरी तथा |

पञ्च स्मरेन्नित्यं महापातक नाशनम् ||३||

Ahalya draupadi sita tara mandodari tatha |

Panch kanyah smarennityam mahapatakanashanam ||

अहल्या द्रौपदी सीता तारा मन्दोदरी इन पांच कन्याओ का नित्यं स्मरण करने से महापातक का नाश हो जाता **है** |

Remembering, regularly the panch kanya Ahalya,Draupadi, Sita, tara and mandodari redeems one from sin.

पुण्यश्लोको नलो राजा पुण्यश्लोको युधिष्ठिर:

पुण्यशलोका च वैदेही पुण्य पुण्यश्लोको जनार्दन:,

Punyashloka nahlo raja Punyasloka yudhisthirah
Punyashlokocha vaidehi punyashloko janardanah

ब्रह्मा मुरारिस्त्रिपुरान्तकारी

भानूश्शंशी भूमिसुतो बुधशच

गुरुश्च शुक्र: शनिराहुकेतव

कुर्वेन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्

Brahama muraristripurantakari

Bhanussasi bhumisuto budhasca

Gurusca sukrassanirahuketava

Kurvantu sarve mama suprabhatam

अनामिका मेहरा

सातवी ब

ENGLISH SECTION

SOCIAL SCIENCE

Social Science are concerned with the social life of man. The life of man has various facts such as economic, legal, religious, political and so on and so forth. Sociology, there fore, can understand social life as a whole by taking help from other social science which study exclusively one or the other aspects of human activity. It maintains a give and take relationship with other science. Socialogy and history are similar on certain points. History provides facts which are interpreted and analysed by socialogy provides the social background for the study of history.

Name : Rinku
Class : VIII-B
Roll No : 25
House : Shivaji

S. SC.

Title :- incredible and amazing facts about India.

1. The world's highest cricket ground is in Chail, Himachal Pradesh. Built in 1883 after

   leveling a hill top, this cricket pitch is 2,444 meters above sea level.
2. India has the largest number of post offices in the world.
3. The Indian railway has the largest employer in the world.
4. Until 1896, India was the only source of diamond in the world.
5. The Baily Bridge is highest bridge in the world. It is located in Ladakh Velly between

   Dral and Suru rivers. It was built by Indian army in August 1982.

Name : Aditi Bera
Class : VIII-B

EARTH IN FACTS AND FIGURES

The diameter of the Earth is 12,755km (at equator) and 12,712km (at poles). The mean radius of earth is 6371 km. The equatorial circumference of the earth is 40,075 km. The volume of the earth is 1083x10 ltr. The total area of the earth is 510,100,500 sq.km. The Land surface of the earth is 148,950,800 Sq.Km. The water surface of the earth is is 361,149,700 Sq. Km. The approximate age of our planet is 4,600 million years. The mass of the earth is 5,976x1024 kg. The mean density of earth is 5.515 g/cm3. The period of rotation of the earth is 23 hrs, 56 minutes, 409 seconds. The period of revolution is 365 days, 5 hours, 48 minutes and 45.51 seconds. The highest land point of the earth is mt. Everest and the lowest land point of earth is Dead sea (Israel, Jordan).

Name : Janmoy Kundu
Class : X 'A'
Roll No : 39
House : Tagore

SAY NO TO PLASTICS BAGS

Say No, No, No !
Plastics Bags have to go use
your own from your home
Say No, No, No !
Plastics ends up in the
sea killing sea creature families
Say No, No, No !
Plastics bags do not break down they will stay in the ground
Say No, No, No !
Plastics bags just have to go!

Name : Mansi

WORLD ROADS, RAIL TRACK

S.No	World Name	Most Road
1.	U.S.A	63,70031 km
2.	India	33,19,644 km
3.	Brazil	19,80000 km
4.	China	14,00,00 km
5.	Japan	11,52,217 km

S.No.	World Name	Rail Tracks
1.	U.S.A	2,70,312 km
2.	India	1,52,000 km
3.	Brazil	71,000 km
4.	China	69,400 km
5.	Japan	6,1,8,500 km

INVENTORS AND DISCOVERS

S.No.	Inventors	Discovers
1.	JosephLister	Antiseptic Surgery
2.	Robert Koch	Tobercle Bacillud
3.	Rene Laennec	Stethoscope
4.	Robert Mallet	Seismograph
5.	Igor Sikorsky & Paul Cornu	Helicopter
6.	Johannes Gutenbeerg	Printing Press
7.	Samuel Colt	Revolver
8.	Humphry Davy	Miner safety lamp
9.	D.N. Wadia	Meteorology
10.	Roger Bacon	Gun powder

SAVE THE EARTH

Save the Earth
you all are world
It is the home for everyone
Even the forgotten ones
Spare the green beauties
Be kind to animals
And all the sea mammals
Don't use plastic bags
The first might in rags
Please save the earth from pollution
I feel it the best solution

Name : Mansi
Class : 8th 'B'

ENVIRONMENT

Healthy environment help to avert negativity. The thought that 'I am human' this earth is my mother. Symbolizes mankind. But unfortunately use have been destroying this blue planet. Our activities have been the major causes for depletion of flora & fauna.

In our country India, the conditions of parks is deplorable. Their greenery has almost been lost. Although the municipal corporation has reasoned the green belts but now the plants have dried. The govt is also neglecting the importance of greenery and green belts. A collaborative effort of the society is needed of the hour. Although we all want to protect our green environment. Yet we are too busy or too lary to bring about a big changes it's sure children are future of society. We should join our hands to make clean & Green India.

Name : Mehreen
Class : 10th 'A'

RESOURCE CONSERVATION

Management of the human use of natural resources to provide the maximum benefit to present generations while maintaining capacity to meet the needs of future generations. Conservation includes both the protection and rational use of resources. Earth's natural resources are either non-renewable such as coal or renewable, such as water. The combination of growing populations and increasing levels of resource conservation is degrading and depleting the natural resource base. Non-renewable resources, such as fossil fuels, are replaced over geologic time scales of tens of millions of years. Human societies will eventually use up all the economically available stock of many non renewable resources, such as oil. Conservation entails actions to use these resources most efficiently and thereby extend their life as long as possible.

Name : **Sanjeev**
Class : 10th 'A'

AMAZING FACTS

1. At 840,000 Square Miles, Greenlands is the largest Island in the world.

   In compansion Iceland is only 39,800 square miles.
2. The first English Christmas carol come into beings 1410.
3. The only continent which does not have land areas below sea level in Antarctica.
4. Two onnemed spacecrafts have been traveling through outer space for 33 years.
5. Nothing can escape from a black hole.

Name : **Divyanshi Kotoch**

BRAIN DRAIN

Brain Drain refers to the immigration of scientists, engineers, Doctors and other technically qualified persons from an under-developed country to developed country.

Every year thousands of skilled professionals and Indians make frantic efforts to leave India and stay abroad. There are some sad facts behind the great brain drain in India.

One of the main reasons is the widespread unemployment, lack of research facilities in India is also one of the main causes for brain drain, there are many more causes of brain drain.

Conclusion :- It is high time that people in power should think of a solution for this problem otherwise we may lose more youngesters to brain drain and face a massive national loss.

Name : **Bhawish Koul**
Class : 6th 'B'

TRUE FRIENDS

1. True friend is like a diamond that is precious and rare.
2. False friend is like autum leaves that are fallen everywhere.
3. True friends are like life that need attention, low and care.
4. False friends are like dreams that merely shine and glow.
5. True friends are like guides who take you everywhere.
6. False friends are like signs who lead you no where.

Name : **Kumudini**
Class : 8th 'A'

SECRET OF SUCCESS

What are the seven Secret of success ? I found answer in my room

1. Fan said :- Be cool
2. Roof said :- Aim high
3. Window said :- See the world
4. Clock said :- Every minute is precious
5. Mirror said :- Reflect before you act
6. Calendar said :- Be upto date
7. Door Said :- Push hard for your goal

Name : **Afia**
Class : 8th 'A'

SMILE

A smile makes a smile
Then it spreads each and every mile.
It cheers up your day
And makes you feel gay
It lights up your dreams
As if eating an ice cream
It makes you look friendly
And never makes you go angry

Name : Kumudini
Class : 8th 'A'

GUESS THE PLACES

1. Ear City : Kanpur
2. Unmarried : Kanya Kumari
3. City of Victory : Jaipur
4. State of Centre : Madhya Pradesh
5. Mr. Town : Srinagar
6. City of Bangle : Banglore
7. City of Snake : Nagpur
8. House of Cloud : Meghalaya
9. City of turmeric : Haldi Gati
10. State of Mountain : Himachal Pradesh

Name : **Jitesh Kumar**
Class : VIII 'C"

MY WORLD OF BOOKS

What a world of wonder are our books, One opens them and looks

With new ideas and stories there, which everyone likes to hear.

Inside the covers, They have everything for their lovers

Books are there to make a child Brave, blood, soft and mild.

Books are always full of pleasure, They are my precious treasures,

To me they are very dear, I read them with cheer through out the year.

Name : **Srishti Sargam**

Class : IX 'B'

FRIENDSHIP

If I could take your troubles, I would loose them into the sea, But all these things I'm finding are impossible for me. I cannot build a mountain or catch a rainbow fair, But let me what I know best, A friend that is always here .....

Name : **Mansi Devi**

Class : 8th 'B'

MY EARLY LIFE

(An Extract from M. K. Gandhi's

"The story of My Experiment with Truth")

I must have been about seven when my father left Porbandar from Rajkot to become a member of the Rajasthanik Court. There I was put to a primary School. I could only have been a mediocre student. From this school, I went to sukurban School and thence to the High School. I do not remember having ever told a lie during this short period either to my teacher or to my Schoolmates. I used to be very shy and avoided all company. My books and my lesson were my sole companions. I literally ran back because I could not bear to talk to anybody. I was not regarded as a dance at the High School. I always enjoyed the affection of my teachers I even won prizes after I passed out of the second standard my own recollection is that I have not any High regard for my ability I used to be astami shed. But I, very jealously guarded my character. The least little blemish drew tears from my eyes.

(Simplified)

Name : **Karan Sharma**

Class : 9th 'B'

THE MISSING THING

Sitting in the class room today
I realised
That I'm going to miss,
Miss every moment spent over here,
Miss these days
Miss the pranks we used to play,
Miss people I've ever met,
Miss the scolding we used to get,
Miss the way we used to litter here and there,
But against all the odds,
We stand here, shining bright,
Smiling at the past and welcoming the future
Ready to face every challange.
And leaving it to the future,
To remember all memories.

Name : **Harpreet Kour**

Class : XII 'B'

BEAUTIFUL QUOTES

1. Don't wait for the perfect moment, Take the moment and make it perfect.
2. If you succeed in cheating someone, don't think that the person is a fool.

   Realize that the person trusted you much more than you deserve.
3. Listen to your elder's advice, not because they have experiences of being wrong.
4. Running away from any problem only increase the distance from the solution.
5. Forget what hurt you in the past. But never forget what it taught you.
6. A mother is she who takes the place of all others But whose place no one else can take.
7. The unhappiest people in this world, are those who care the most about what other

   people think.
8. If someone has a problem with you. always remember, it's their problem.
9. The happiest people don't have the best of everything. They just make

   the best of everything.

Name : **Srishti Sargam**
Class : IX 'B'

ENGLISH ARTICLE

CAN ANIMAL THINK

After years of debate, ingenious new studies of dolphins, apes and other brainy beasts are convincing many scientists that the answer is yes.

BY EUGENE LINDEN

In a Sun-dappled pool not fair from the Clamor of Waikiki beach, two female dolphins poke their heads out of the water, waiting for a command "O.K" says Livis Herman, founder and director of the kewals Basin Marine Mammal Laboratory "Now let's try a tandem creative "two graduate students positioned at opposite ends of the 50-fit tank. Throw full body and soul into communicating this message to the animals, Phoenix and Akeakami. First the humans ask the dolphins to pay attention by holding a finger high in the air. Then they top the Index finger of each hand together, farming the gesture that has been taught to mean tandem. Next they throw their arms up in an expensive gesture that signifies creative. The Dolphin have just been told "Do Something Creative together".

Name : **Prikshit Kumar**
Class : IX 'B'

MORE REASONS TO EAT FRUIT

1. Strawberries can potentially fight against cancer and aging.
2. Bananas are great for athletes because they give you energy.
3. Cherries help calm your nervous system.
4. Grapes relax your blood vessels.
5. Pineapple helps fight arthritis.
6. Blue berries protect your heart.
7. Peaches are rich in potassium, fluoride and iron.
8. Apples help your body develop resistance against infection.
9. Kiwis increase bone mass
10. Mangoes protect against several kinds of cancer.
11. Watermelon helps to control your heart rate.
12. Orange helps to maintain great skin and vission.

Name : Tania
Class : VI 'A'

WHY FAILURE IS GOOD FOR SUCCESS

The sweetest victory is the one that's most difficult. The one that requires you to reach down deep inside , to fight with everything you've got, to be willing to leave everything out there on the battle field-without knowing until that do-or-die moment, if your heroic effort will be enough. Society doesn't reward defeat, and you won't find many failures documented in history books.

The exceptions are those failures that become stepping stones to later success. Such is the case with Thomas Edison, whose most memorable invention was the light bulb, which purportedly took him 1,000 tries before he developed a successful prototype. "How did it feel to fail 1,000 times?" A reporter asked. "I didn't fail 1,000 times," Edison responded. "The light bulb was an invention with 1,000 steps.

Name : **Manik Proch**
Class : IX 'B'
Roll No. : 18

TITLE :- TREES

Trees give us oxygen for free, which we inhale with glee.

If a tree is near, the air is clean.

Trees make the environment pure, we all know that for sure.

Trees are there to bear, the problems which we fear.

Do, protecting trees is a must, If we want to live on the earth's crust.

Name : **Aditi Bera**
Class : VIII 'B'
Roll No. : 2

TITLE :- SORRY

Sorry is such a word
And yet it means so much
For one who is hurt
It is like a heeling touch
With the power in that little word
A broken heart can meant
When once we say sorry
We are at peace with everyone
And ready for lotus of fun.

Name : **Aditi Bera**
Class : VIII 'B'
Roll No. : 2

POEM "SELF DESTRUCTION"

Done much enough with
SELF created hassles
Life needs a change now
Emotions being the same
By nature
But
Words need to be shuffled a bit
Cosmos too seemed to cheat on me
Every moment I try
Every moment I cry
Convinced with their words partly
Started believing the lines too
It was the self destruction though
Winds have changed their ways now
Moulding my heart like a new born
Full of Love
Full of Life
Throwing away the joys
Every time I smile
But even a thought of the one
Disturbs my mind
Still destroying myself
But now in a new way....

By : **Ankita Saini**
Clkass : XI 'B'

EAST OR WEST INDIA IS BEST

Punjab	is known for its fighting
Bengal	is known for its writing
Tamil	is known for Duty
Kashmir	for its Beauty
Rajasthan	has history
Maharastra	for its Victory
Mysore	for its silk
Haryana	for its Milk
Gujrat	is known for peace
Assam	for tea leaves
Kerala	for rains
Himachal	for apples grown
Oraissa	for it's temples engraved
Bihar	for minrals bright
Utter Pradesh	for Sugar cane
Madya Pradesh	for tribal life
All States for Unity	India for Nationality

Name : **Ali Raza**

Class : 9th 'B'

POEM ON : ENABLING FREEDOM

The more I do the more you don't, It just seems that you won't.

I feel like the harder I try, The more you sit there and lie.

The day has come to wake yourself up, To get out into the world and try your luck.

I blame myself for spoiling you, At the time I thought it was the right thing to do.

Now I see the more I help, I made you unable to deal with the hand you were death.

Fly my friend and find your way, there is so much to do on this day.

The time is now and the place is here, start living your live free of fear.

You have no need of me, It's time I set you free.

Name : Abhishek

Class : IX 'B'

'STERIA : SOURCE OF COLORIC FREE SUGAR & HEALTH RESTORING PLANT"

India is the largest consumer of sugar in the world. Hare you thought if there is no sugar in your kitchen in a beautiful morning ? Your tea will be meaningless without sweet dish Day is unimaginable. Sugar is the important of our daily food & produced mostly from the sugarcane.

If you are diabetic patient you have the idea of no sugar, no sweet life. But there is steria plant which yield sugar much sweeter than ordinary sugar. It belongs to family asteraceae . It is known as honey leaf. Its leaves are 30 times sweeter that sugar. For diabetic patient it is alternate to care sugar, besides sweet glycosides. Various studies have found the leaf of steria contains proteins, fibbers, carbohydrates, iron, phosphorus, calcium, potassium, miginesion, zinc, true it C & A scientific research has indicated that steria effectively regulate blood sugar & brings it to normal level & also effective against hypoglycemia. It is steria tonic action which enhance the energy level & mental activity. It can safety used for diabetic patients & free from coloria. One of the most important advantage of leaves of Steria is that it can be dried & stored & can be used as raw. It is short duration crop can be harvested 4-5 time per year. It is exceptional aid to weight loss& weight management because it contains no calories. Those people who used steria a dieting supplement have lower incidence of cold & flue. It inhabits the growth of bacteria & infectious organism.

Name : **Sudershan Gupta**

Class : PGT Biology

TRIGONOMETRY

Trigonometry is a study of the relationship of angles, lengths and heights. It emerged in 3rd century BC involving application from astronomy to geometric studies. It can be simply defined as calculations with the triangles involved with the study of lengths, heights and angles. Trigonometry and its functions have enormous number of uses in our daily life. Before going into details of trigonometry applications, let's start from knowing the trigonometry and its functions.

APPLICATIONS OF TRIGONOMETRY :-

It may not have direct applications in solving practical issues, but used in various field. Here are few applications where trigonometry and its functions are applicable :

1. **Trigonometry to measure height of building or a mountain :-** trigonometry is used in measuring the height of a building or a mountain. The distance of a building from the viewpoint and the elevation angle can easily determine the height of a building using the trigonometric functions.
2. **Trigonometry in aviation :-** The aviation technology has been involved in many up-gradations in the last few years. It has taken in account that the speed, direction and distance as well as has to consider the speed and direction of the wind. The wind plays a vital role in when & how a flight will travel. This equation cab is solved by using trigonometry.
3. **Trigonometry in Criminology :-** Trigonometry is often used in investigation of a crime. The functions of Trigonometry are helpful to calculate trajectory of a projectile and to estimate the causes of a collision in a car accident. Further, it is used to identify how on object falls or in what angle the gun is shot.
4. **Trigonometry in marine Biology :-** Trigonometry is often used by marine biologists for measurements to figure out the depth of sunlight that affects algae to photosynthesis. Using the trigonometric function and mathematical models, marine biologists estimate the size of larger animals like whales and also understand their behaviours.
5. **Trigonometry in Navigation :-** Trigonometry is used in navigating directions; it estimates in what direction to place compass to get a straight direction. With the help to a compass & trigonometric function in navigation it will help to pinpoint a location & also find distance as well to see the horizon.

So this was trigonometry & some applications of it & how important it is in our daily life.

Name : **Aryan Gupta**
Class : 12th 'A'
Roll No. : 10

ON WHAT DAY YOU WERE BORN

Let y = year you were born

And D= No. of Days till year birth date from Jan 1

And X = $\frac{y-1}{4}$ (neglect remainder if any)

Use formula [$\frac{Y + x + d}{7}$] (remainder decide day)

Sunday=2, Monday=3, Tuesday=4, Friday=D, Wednesday=5, Saturday=1, Thursday=6

« For Example :-

Let the "Date of Birth" of any person - 22 Mar 1981 then y=1981

D=31+28+22=81

X= [$\frac{1981-1}{4}$] = 495

Using formula $\frac{1981+495+81}{7}=\frac{2557}{7}$

2 is reminder 50, day of birth Sunday

Name : **Ankit Rawat**
Class : XII 'A'

FOOD FOR THOUGHT

The human body is an efficient machine designed by the almighty God. All its constituents work in a perfectly co-ordisated manned in such a way that despite our various scientific achievements, man is unable to find a match for it. Some of the interesting facts regarding our body are as under :-

1. The human body has 200 different types of cell.
2. A normal healthy adult man & woman has about 5 to 5.5 millions red blood corpuscles for cubic milimetre of blood respectively.
3. The number of white blood corpuscles varies from 6000-8000 per cubic milimetres of blood.
4. Skin cover an area of about 9.7 sq.m.
5. The length of alimentary canal is about 950 cms.
6. The weight of human brain is about 1400 gms.
7. The total volume of blood in normal man is 5.6 litres.
8. The size of a human heart is size of one's fist & weigh 300 gms.
9. The normal blood pressure of man is 120/80 mm of Hg
10. A normal man breathes 10 times per minute
11. The total capacity of lungs is 6-6 litres.
12. A normal kidney filters 172 litres of blood daily.
13. Each Kidney is composed of 1.2 million microscopic excretory units known as nepnone
14. The total types of muscle are 525 .
15. The nerve impulse travels about 121 metres in one second.
16. The human ear acts as an organ of equilebrain & hearing.

Name : **Sudershan Gupta**

FUN WITH NUMBERS

123456789 x 9 = 1111111101

123456789 x 18 = 22222222202

123456789 x 27 = 3333333303

123456789 x 36 = so, on

And

15x15 = 1x2 [25] = 225

25x25 = 2x3 [25] = 625

35x35 = 3x4 [25] = 1225

ie. Square any integer ending with 5 can be found easily-take first digit and multiply with next integer. Write the answer on left and 25 on write this is the square.

Name : **Ankit Rawat**

Class : 12th 'A'

THE 36 OFFICERS PROBLEM

This problem looks like a puzzle you might find in a Sunday newspaper, Imagins there is a war. You're in command of on army that consists of six regiments, each containing six officers of six different ranks. Can you arrange the officers in a 6x6 square so that each raw and each column of the square holds only one from each regiment and only one officers from each rank ?

Just as any Sunday puzzles, Euler, the Great mathematician had a go at the problem, but without success.

If you're ever come across Latin squares, then the 36 officers problem might have reminded you of them. A Latin Square is a square assay of symbols in which every symbol occurs just once in every raw and column. If we combine two Latin squares, we get a Grace-Latin Square (Euler square). So that every possible pair occurs exactly once.

1st Square			
1	2	3	4
2	1	4	3
3	4	1	2
4	3	2	1

+

2nd Square			
A	B	C	D
C	D	A	B
D	C	B	A
B	A	D	C

=

Result			
A1	B2	C3	D4
C2	D1	A4	B3
D3	C4	B1	A2
B4	A3	D2	C1

Rules realised that a solution of th e 36 officers problems would give us a Gracco-Latin 6x6 square. The mathematician Bose, Shrikhande and Parkes proved him wrong that if the no. Of cells is odd them the problem can't be solved. All orders existed except 2 & 6. This problems inspired rules to a lot of work, including on problems akin to modern day sudoku. It contributed important work to an area of maths called combinatorics, which is about combining objects in ways that satisfy particular constraints & has many applications in the real world.

Submitted by : **Geeta Shreeprabha**

Class : XII 'A'

SAVE WATER

Earth is the only known planet in this universe where life is possible only because of the availability of water and oxygen. Water is the most important necessity of life for all the living beings on the earth. Without water no one can exist even for a day. We also know that there is very less percentage of clean water and we should save it for future generation. We should change our bad habits into positive ones and spread awareness among people about the importance of clean water. We should promote the less use and saving of clean water to maintain the continuity of life on the earth.

We should understand the importance of water in our life and stop misusing it with the proper management of usage of water. We should also protect clean water from getting dirty due to the soil or water pollution. We should not waste it into toilet and store rain water for this purpose.

Importance of Clean Water :- Without water, life is not possible on the earth. All the living beings like Human, Animals, Plants etc. need water to grow, develop and live. Water is the only source of all lives here. We need water in all the walks of life, from morning till night like drinking, cooking, bathing, washing clothes, watering plant, etc. People working in different fields need water for different purposes such as farmers need water to grow crop, gardener to water plants, industrialists for industry works, electricity plants to generate hydro-electricity, etc. So, we should save clean water for the wellness of our future generations and healthy life of water and wildlife animals. People at many places of the world are suffering water scarcity or completely lack of water in their regions.

Name : **Habib-ul Rehman**

VALUE OF FOODS

- **Apple**

  Contain Vitamin C, high fructose antioxidant, helps to maintain immunity system, and can be eaten for diarrhoea and gastroenteritis

- **Banana**

  Bananas are one of the nature's ideal snacks contain high potassiom and easy to digest and good popular solid food for babies.

- **Cabbage**

  Cabbage is rich in Vit. C, K, E and potassium. Beta-carotene, fiber, foliate and thiamin, are also present. But it can cause Flatulence and may cause iron deficiency if taken in excess.

- **Dates**

  Both fresh and dried dates contain vitamin C. Dried dates are rich source of niacin copper, pottasium and a more concentraled of iron and magnesium. 100 dried dates contain 227 calories.

- **Grapes**

  All varieties of grapes are rich in pottasium and provide few vitamin and minerals. They are swell and comparatively 1000 fattening and 100 gm grapes contain approximately 60 Calories

Name Heiya Kalotra

Class : 12th 'C'

PERPETUAL MOTION DEVICE THAT PRODUCES POWER FROM GRAVITY.

This is probably the strangest contemporary invention ever. It was developed by a Somerset engineer, who claim that his machine breaks the law of physics by generating more free power than it consumes.

The inventor named his perpetual motion device Alpha Omega Galaxy Freefall Generator.

He also added that the machine was made using bicycle parts, a windscreen-washer motor and an array of flywheels with high-powered magnets. The latter are used to help the machine produce energy from gravity.

DEVICE THAT PRODUCES RAINBOWS.

Rainbows are beautiful and that's it. Children enjoy watching these creations of nature, but one man thought that it would be better if people could see rainbows more often. This is why he has come up with a machine that creates rainbows.

Artist Machael Jones McKean has been testing his device in parks where he shot small rainbows across the sky.. Now he looks forward to developing a machine that would generate much larger rainbows with the help of reclaimed rainwater and sunlight.

His studio is located at the Bemis Center for Contemporary Arts in Omaha, Nebraska.

Robotic Fashion Model

Name : Asim Khan

Class : XII 'A'

MISTAKES

1. When a Barbar makes a mistake it's a new hairstyle.
2. When a tailor makes a mistake it's a new fashion.
3. When a doctor makes a mistake, it's an operation.
4. When a teacher makes a mistake, it's a revolution.
5. But when student makes a mistake, its not only a blender mistake,

Shaheen Akhtar

Class : XI 'B'

SAY IT IN JAPANESE !

Kon'nichiwa	: Hi
Ohay ogozaimasu	: Good Morning
Konganwa	: Good Evening
Sayonara	: Good bye
Ja matane	: See you later
Hisashiburi	: Long time, no see
Tadaima	: Here I am ; I'm home !
Okaerinasai	: Welcome Home
Sumimasan	: Excuse me
Omedetogozaimasu	: Congratulations
Arigatogozaimashi Ja	: Thank you

Watashitachila tomodachi: we are friends

Name : Dhritushmita

Class : XII 'C'

WHAT'S THE PURPOSE AND MEANING OF LIFE ?

Have you ever come across this question before ?

Have you ever let your mind wonder what the purpose of your life is probably not. Everyone has got a goal in life. We fancy doing something different, accomplishing something big and praise worthy which gets us applause. Is that the one and only thing we yearn for ? Is that the sole motive of our life? Is our life meant for that only ? These questions need to be answered.

In this world, we all are running a race, we all are after something, some are after a job, some are after success while some are after securing a good position. If I ask what's the objective of our lives, them each one of us will give different answers depending on our aspirations. But what if I ask-why do we live life ? Do we live only for accomplishments. That means we are confined in a shell of accomplishments. But what if we don't achieve that. What if we encounter failure. We always think positive and that's what we should; we should put all our efforts in making our dreams come true. But one should also make oneself ready for the negative aftermath. Life has got both positive and negative aspects, we should have courage to face both of the.

One should make oneself strong. Failure doesn't mean the end of the world. Instead it's the start of a new journey. A new journey to accomplish the unaccomplished. A new journey to prove oneself, to show that failure hasn't subsided your enthusiasm, your zest. Your new life can be better than your older one. Life has got its twists and turns its ups-and-downs but we have to acclimatize with them. God forbid, but unfortunately if something like that happens to you, so what ? It can happen to anyone, one should put a line under the past and should go on a fresh journey, may be there's a better life awaiting you ahead. Turn over a new leaf and see your life carries you which way . But unfortunately some get at fault, they go on the wrong track and to that extent that some even commit suicide. Some think of ending their lives. That's the morbid truth of today's epoch. God hasn't bestowed life on us for that matter. Recall what Vince lombardi said, "winners never quit and quitters never win". This quote must be imbibed by all of us. Remember that opportunity awaits the person who wants to grab it.

Getting back to the central question what's the motive of our lives ? Or why do we live our lives ? Majority would say life means getting what you want, meaning of life is mainly fulfilling one's desires us gets what he/she wants. Take example of those poor people living in slums, they are deprived of basic amenities and comforts. We people, leading luxurious lives get fed up of our lives. We think as if we are the unluckiest person in this world. We become secluded, stressed and sick of our lives. Life means fighting for what you want till you acquire it. Even if you don't get it'don't become disheartened, be strong and live with what you've been given. If your life is full of knotty problems, don't bother, don't care about them, don't give a damn! If you couldn't get something think as if it wasn't meant for you. Live your life hopefully, thankfully and satisfactorily, that will make your life easier and will help you to overcome the obstacles of your life. But if even then your life sucks, then try helping others, supporting others, praying for others and living for others.

The biggest incarnation of humanity-Mother Teresa is the best example. She is the epitome of altruism. She lived for others, helped others, natured children and devoted her entire life in this noble cause till her last breath. She isn't the only one, there are so many M.K. Gandhi, B.R Ambedkar, Bhagat Singh and many more. Actual mirth comes in living for others, it gives you happiness, satisfaction and content. History itself is the witness that whosoever has done something for other's welfare has made his mark in this world and has put his impact with his philanthropic qualities. And charity doesn't go waste that's why Albert Einstein, the greatest scientist said, "A life lived for others is a life worth whiles".

THE DRUDGERY OF HOMEWORK

Homework means the work allotted by the teacher to the students to be done at home. As the number of students and the courses, textbooks etc. are advancing, home-work is becoming a drudgery, a curse and a burden. It tell upon the mental and physical health of school going children. The school bags are so heavy with the books and exercise books that students find it difficult to carry them to school and bring them back home. The students have virtually become beasts of burden. Children have no time to go to playgrounds or parks to play games or take exercises. Thus, they are deprived of the basic fun-playing in the lap of nature. What is the reason behind it ? The burden of homework has actually affected the back of the kids. It weighs heavy on their heads, heart and health. They are constantly harassed by the thought of the homework and the likely punishment by the teacher if they fail to do their home-work. They keep awake late at night and seek the help of their parents to complete it. They are so overawed by homework that even in sleep they mutter 'home work'.

Excess of homework has a disastrous effect on the development of the student. Their mental and physical growth gets retarded. They develop certain complexes. Too much stress and strain leads to physiological and psychological imbalances. Sometimes parents engage tutors to enable their wards to complete homework. This defeats the very purpose of giving homework. The student is deprived of reasoning, analysis, application and free thinking. Moreover, he loses the joy of successfully tackling a problem and overcoming it. The teachers should realise the practical aspect of the problem and reduce the load of homework upon the children.

By : **Niza Bharti**
Class : XII 'A'

THE LOCK AND THE KEY

A lock opens when the key is turned right and it closes when the key is turned left. Thus, the same key performs both locking and unlocking functions. In man, the heart is the lock. The mind is the key. When the mind is turned godwards, the heart develops detachment when the mind is turned towards the world, the heart develops attachments. Thus, both detachment and attachment result the way the mind functions. When the mind is directed towards prakriti (Nature or the phenominal world), bondage ensure. When you turn your mind towards divinity, you experience (bliss)

"End the mind" means turning the mind Godwards. All you have to do is to dedicate every action of yours to the divine. Then everything becomes easy and a source of bliss.

By : **Shubhendu**

A DAUGHTER

A daughter is a wonderful blessing, A treasure from above. She's laughter, warmth and special charm, She's thoughtfulness and love. A daughter brings a special joy, that comes from deep inside to adulthood, She fills your heart with pride. With every year that passes, She's more special than before through every stage, through every age, you love her even more. No word's can describe the warn memories the pride and gratitude, too. That come's from having a daughter to love and to cherish.

Made by **: Ritika**

FACES IN A CLASS

(1) Attentive Faces :- They see, hear and follow everything and can ask any question.

(2) Semi attentive Face :- They see and hear everything but don't follow because of lack of attention.

(3) Anti-Attentive Face (or absent Minded) : They neither see nor hear and don't follow anything. They think of something else.

4. Idle Faces : They think about nothing, hear nothing. Nothing is their motto. They come blank and go blank.

(5) Pretending Faces :- They smile when the teacher smiles, nod their head as if they have understood everything. But infact they don't understand everything.

(6) Running Faces :- They try to catch the expression without ticket and have some other book open before them.

(7) Sleeping Faces :- They are generally back benchers and do nothing except sleeping.

Name : Komal
Class : XI 'C'

DID YOU KNOW ?

1. In Argentina and Australia, winter begins in June !
2. Einstein's mother Pauline had famously, worried that baby Einstein is head was lopsided !
3. It takes approximately 740 bathtubs of water to make one new car !
4. In 1894, newspapers in , England reported a rain of tadpoles .
5. People sometimes have red eyes in photographs, especially those taken with a flash, due to the light that reflects off the blood vessels of the retina.

Name : Sneha Sharma
Class : 12th 'C'

OODS AND ENDS

1. If Wall-Mart were a Country, it would rank about 20th on a list of the Mast productive countries in the World.
2. Ireland's official National Erllen isn't the shamrock it's the harp.
3. The leading cause of Poisoning for children under the age of six is liquid dish soap.
4. Share thing ! Four out of five Californians live within 30 miles of the coast.
5. Researches have calculated the ideal number of people needed to create a calony in space is 160 about size of the small village.
6. 18% of people who died in 2000 did so as a result of smoking and Tabacco 16% died because of poor diet, lack of exercise.
7. The world's first theme park, was Santa Claus land which opened in 1946 in Santa-Claus, Indiana - nine years before disheyland opened in california.

Name : Mani Panjikar
Class XII th Commerce

MY EXPERIENCE AT COLLEGE AFTER SCHOOL

BY SUNANDINI JAMWAL (2016-17)

- College life is a very important part of every individual's life. We all are at a certain threshold after passing out from school. That's when we have to take a very important decision. That's regarding one's career School is a small institution. College broadens one's horizon. A broader platform to understand and prove ourselves. It's a place where one is assumed to be an adult. College is a place, where we create a bigger foundation of our life. At college, we find and create ourselves.

  Though responsibilities are a part of our life, but friends are important too Friendship in college is not like that in school where ever classmate and every person, we talk to become our very good friends.

- After passing out from my higher Secondary School, Kendriya Vidyalaya, Sunjuwan, I got admission in B.E at MIET College, Kot Balwal, Jammu, which is also known as an Urban forest due to its clean and green atmosphere. When I first entered the college, everything seemed to be quite different and new to me. It was a strange atmosphere there and I was quite shy to enter my new classroom. There, I knew nobody and everyone was like a stranger. Day by day, I was able to get familiar with some of my classmates, some of them became my good friends like Tavishi, Qsheew, Harshita and Shivani. They were very frank and good in nature.

- Now we have become best friends and we share the same bench in class and attend the lectures together. We go out together to our college canteen, have Lunch there, sometimes share our thoughts with one another and have a lot of fun.

- I think that college life is a hassle free life. Here unlike School, nobody is worried about students for nobody, is there to see who is bunking and where they are. That's why amidst all fun of bunking, there lies a responsibility of every student to understand that how much loss or gain, they are doing to themselves by that. Fun and sincerity should be well balanced. One should not happen at the cost of other. Otherwise, we will miss out one or both.

- However if we are self conscious, we will balance both hardwork and fun and then make the most of it. Only fun destroys, us.

- Though, we enjoy every facility in College and have fun there, but yet I am unable to forget my School days (K.V. Sunjuwan) and my School friends and Teachers, who supported, encouraged and guided me at every step of my School life and made my journey of School so special and memorable, that I can never forget in my life.

With Thanks :-

Sunandini Jamwal

Ex-Studend K.V. Sunjuwan

INDIA'S CONTRIBUTION TO THE WORLD :-

Aryabhatta :- He is the mathematician and astronomer who invented Zero, and the number system.

Charaka :- He is known as the 'Father of Medicine'. He consolidated Ayurvada in 400 BC.

Bhaskarcharya :- He calculated the time taken by earth to orbit the sun, hundreds of years before modern astronomers come to known about it.

Jagdish Chander Bose :- He is known as the pioneer of wireless communication.

Vinod Dhani :- He is the creator of Pentium chip used in computers & also called the 'Father of Pentium'.

Name : **Sana Choudhary**
Class : IX 'C'

SOME INTERESTING FACTS :-

1. Earth travels through space at 1068320 kmph.
2. Antarticais the highest, driest and coldest continent on earth.
3. Angel falls in Venuzuela is the World's height water falls (979 km)
4. Pacific is the largest ocean (155557000 sq km)
5. More than billion transistors are manufactured every second.
6. Plastic takes 500 years to break down.
7. Our left lung is smaller than our right lung to make space for heart.
8. A rabbit teeth never stops growing.
9. A blue whale tongue alone can weight as much as an elephant.

Name : **Shivangi**
Class : VIII 'C'

INTERESTING FACTS :-

1. All planets in our solar system rotate west to east or anticlock wise except venus. It is the only Planet that rotates clockwise or east to west while Uranus rotates on its vertical axis .
2. It is impossible to lick your elbow.
3. Human being bones are stronger than concrete.
4. It's against the law to burp or sneeze in a church in Nebraska, USA.
5. The angel falls in Venezuela is the world's highest waterfall (979 metres/3212 ft.), Three times the height of the Eiffel Tower.
6. Dolphins sleep with one eye open !
7. Barbia full name is Barbara Millicent Roberts.

Name : **Sana Choudhary**
Class : IX 'C'

LIFE OF A GIRL :-

- Girls are a blessing so treat them well,
- Girls are very delicate so handle them with love.
- Girls are kind and need love, Which they have never got.
- Girls have patience But never test their tolerance.
- Girls have talent But need support to express them.

- ¤ Girls have dreams which they want to turn into reality.
- ¤ Now girls are professional. But even they are ill-treated.
- ¤ They play important role in the society But still they are looked down upon.
- ¤ Now girls are educated and can earn. But still they are burnt for want of dowry.
- ¤ They take care of both the homes. But they do not have home of their own.
- ¤ "Oh my God I have a good question of which I need a perfect answer".?
- ¤ Is girls life meant for only to bear ?
- ¤ Right from the beginning till the end.
- ¤ Why have you brought her on the earth.. If nobody wants to be hers.

Name : **Aneesha Kour**
Class : IX 'C'

Friend Ship

- Two Best Friends are one, It is not a fun
- Their thinking is different but, their division is one.
- Their reading is different but, their words are one.
- Their dreams are different but, their wishes are one.
- Their names are different, but their aim is one.
- Their homes are different, but their games are one.
- Their walking is different, but their way is one.
- Their structure is different, but character is one.
- Their garments are different, but their choice is one.

Name : **Sana Choudhary**
Class : IX 'C'

OH ! REST

Oh ! Mom and dad Can I take rest
Before the Class test If I don't take rest
I will not do my best I'll have to take supplementary test
I know you don't like the awkward position of my tension
So please permit me some rest before the great test
So that I can do my best Oh ! Please just let me rest !

Name : **Sanchi Sharma**
Class : VIII 'C'

MOTHER

I, Love mother, Cause she never let me bother.
She always takes care of me, Our relationship is like roots with tree.
Mother are god gifts, cause they never let us drift.
I always pray for her health and her Well being.

Name : **Divya Verma**
Class : VIII 'C"

GIGGLES

Q.1. Why are people tired in April ?
Ans. Because they first had a March of 31 days.
Q2. What do you get from nervous Cows ?
Ans. Milk Shake.
Q3. Why is nine afraid of Seven ?
Ans. Because Late (eight) nine.
Q4. Which ant is good in Math ?
Ans. Accountant.
Q5. What dress does everyone have but none wears ?
Ans. Address
Q6. Why does a stone dropped in water drawn ?
Ans. Because it cannot Swim.

Name : **Muskan Choudhary**
Class : VIII 'C"

RIDDLES

Q1. Which is the word which makes flower & fruit Sweet ?
Ans. Gulab Jamun
Q2. A white man with black head ?
Ans. Matchstick
Q3. Sixty cups in my hand. One fell down how many left ?
Ans. 5 cups (Six tea cup less one =5 cups)
Q4. I fall from high but I don't get hurt ?
Ans. Rain
Q5. Which dog does not bite ?
Ans. Hot Dog.

Name : **Nidhi Kumar**
Class : VIII 'C"

TRY ----- TRY

If you cannot come first, Try not to come last.
If no-body is with you, Try to take some-body.
If you cannot win, Try to participate.
If you cannot rise, Try not to fall
If your talents are not the best, Try not to be worst.

Name : **Shivangi Sharma**
Class : VIII 'C"

MR. MATHEMATICS

Mr. Mathematics, lives in a street called statistics MCF and LCM should be done with care. Rations are truly a nightmare more, average and percentage sums are very clean, But elementary algebra is what fear really confusing are the simple interest sums while the profit and loss sums are not their best oh God ! Please give me some rest. Oh ! Please set me free from all these addition & Geometry, that is Mr. Mathematics.

Name : **Prashant Pandey**
Class : VIII 'C"

LITTLE DROPLET CAME FROM THE SKY

When the twilight on the high,
Cool weather & Soil is dry.
A little droplet comes from the sky

Sun is hidden now
& there comes a little sigh
A little droplet comes from the sky

Peace comes in the Nature,
No bird can now fly,
A little droplet comes from the sky

I surprise when I see,
Hidden in the trees a beautiful buckeye
A little droplet come from the sky

Then the clouds filled with tears
& they, began to cry
A little droplet come from the sky.

My eye is filled with treasure
When I see the nature's eye
A little droplet come from the sky.

Self Made
Name : Manmeet
Class : IX 'C'

RIDDLES

Q1.A roam in which we can't enter ?
Ans. Mushroom
Q2.Which ring is best for telephone ?
Ans. Answering
Q3.Which is the dress that no one wear ?
Ans. Address
Q4.In which city no one live ?
Ans. Electricity.
Q5.What is black when clean and white when dirty ?
Ans. Blackboard.
Q6.Which rain is always kept dirty ?
Ans. Drain.
Q7.Which rain is used for answering the Question ?
Ans. Brain.
Q8.What is the nation of teachers ?
Ans. Examination.
Q9.Which car does every filmstar want ?
Ans. Oscar

Name : **Arushi**
Class : VII 'A'

SUBJECTS

Subjects are hard, but amazing and good.
History is all about kings and emperors.
Civics is all about democracy and governments
Geography is all about the universe.
Subject are hard, But easy to understand.
English is a tricky language, But a scoring subject.
Hindi is child's trick, But sometimes hard in Grammer
Maths is like a Ghost. Which scares everyone like me.
Subjects are hard, But easy to understand.
Physics is all about Maths which I always hate
Chemistry is all about fun experiments, But hard is formulas
Biology is the easiest subject which I like the most.

By : **Gulnaz**
Class : 10th 'C'

MOTHER

A mother is like a deep ocean whose love is deeper than an ocean.

A mother is like a sweet whose voice is sweeter than any sweet.

A mother is like a candle who burns herself to give light to her children.

A mother is like a brave warrior, who can fight for her children

A mother is like an angel who can solve any problem.

A mother is like a statue who can suffer anything for her children.

A mother is like a saint who can sacrifice anything for her child.

A mother is an Inspiration and an Idol for her child.

She cares for everyone but no one cares for her.

By : Gulnaz
Class : 10th 'C'

JOKES

1. Samir : I think my father has, a fear to cross the road ?
   Friend : Why ?
   Samir : Because, he always catches my hand while crossing the road.
2. Teacher : Why are you dancing ?
   Student : Because it is written in the question paper that marks will be alloted for all steps.
3. Ram : What is discipline ?
   Shyam : I think a word which is missing from the dictionary of Students.
4. Brother : Which are the strongest days of the week.
   Sister : Saturday and Sunday
   Brother : Why is that so ?
   Sister : Because all the rest are weak days.
5. Customer : Why did you sell me such a bad flute ?
   Shopkeeper : Why? What is wrong with it ?
   Customer : It has so many holes in it.
6. Mother : How was the question paper in todays exam.
   Son : As usual a white sheet of paper with black print on it.
7. Teacher : Conjugate the verb "toward" in simple present.
   Student : I walk you walk...
   Teacher : (Intruptes) Quicker please
   Student : I run, you run.
8. John : Why are you so sad ?
   Sam : I found Rs. 100 in a bus and shared it with my friends.
   John : So, why are you sad,
   Sam : I discovered late that, the money was mine.

Name : **Gurleen Kour**
Class : VII 'A'

AMAZING INDIAN FACTS

Longest Express Way :- The 165 km long Yamuna Expreesway connecting Agra with Greater Noida in Utter Pradesh was opened to traffic on Aug. 9, 2012. The access controlled 6-lane and concrete paved path reduces the travel time from 4 hours to only one hour fourty minutes.

Lightest Bike :- Sanjay C Ramaswamy of Bangalore invented an Ultra-light road bike that weighs just 5.125 kg and yet can be used on normal roads.

Most Vintage car Rally Awards :- 1933 Austin 7 vintage car owned by Gurumukh Singh Khokhou has won the Indian oil Trophy for. "The car that has driven the longest distance to participate in the rally" 22 times in a row

Name : Mehnaz
Class : X 'C'

NEW GENERATION

Oh God ! For new generation, Schools are only for recreation Activa, Scooty are the means transportation, without jeans there is no impression, Shoes are the centre of attraction, Hair style is a new sensation. Oh God! This new generation ! A working day is like a vacation Teachers are under constant preparation, for principal this is a bad situation. Oh God ! This new generation. Parents have high expectations, Children Its their imagination for parents there is no affection, Oh God ! This new generation.

Oh God ! Bring about a New Revolution, stop this kind of regulation, otherwise there is no answer, no solution Oh God ! This new generation.

Name : Iram
Class : VII 'A'

THE HAUNTED JUNGLE

It was a dark and lovely night. I was returning from a relative's place and had missed the last lorry going towards home. Now I had to walk through the jungle. I was hesitant but the thought of reaching home on time persuaded me.

There was something wrong about the jungle in the night. It was very quit and silence.This Made me Shiver. Horrifically, I realised that, I was lost. I was gripped with panic. I carid the help but there was no response. I was horrified verified to hear the sound of owls and bats. It was scary and I had lost all hopes of survival. Suddenly, I heard the sound, of footsteps. I suspected weather I was alone. I followed the sound of his tooth steps. It was like light at the end of a tunnl. After 10 minutes. I reached a lovely house. I hid behind the tree two see weather it would be safe to go near the house, Finally I decided to take shelter in the lovely house but to my shock it was full of dancing skeletons. I fainted. When I opened my eyes, I found my self sleeping in my lovely bed. What a nightmare it was!

Name : **Manisha Kundal**
Class : 10 th

TEACHER

Teacher you are a creature
You are sweet like honey
You teach us Maths, English & History
You are ocean of knowledge.
You are our teacher
Teachers are like candles.
Making the children bright
Telling to be polite.
Telling us to be wise
And making an increase
Teachers are the candles
They work day and night
Oh ! My teacher you are my future
I used to read only story books,
From hard work I used to hesitate
You are beautiful like nature.
And sometimes very funny
And to us you are mystery
Which you gather from college
And you teach all about life and nature
Who burn and give us light.
Working not to fight
They teach us the way of life.
As well as to be nice
In our knowledge
Who burn and give us light
And make our future bright
You are my dearest and very nearest
You taught me to read text books.
But you made me perfect.

Name : Anamika
Class : VII 'A'

A POEM FOR MOM

You are sunlight in my day.
You are the tree I lean upon
You are the one who taught me life,
You are the words inside my song,
You are the one who cares for me,
Afraid of life but looking for love,
You are my best friends, my heart and my soul,
You are the words inside my song,
You are the moon I see for away
you are the one that make troubles be gone
How not to fight, and what is right.
you are my love, my life and my mom.
You are the eyes that helps me toss.
I am blessed for God sent you from above.
You are the greatest friend I know.
You are my love, my life and my mon.

Name : Habiba
Class : VII 'A'

BE RESPECTABLE.....

I'm not concerned with your liking or disliking me... All I ask is that you respect me as human being.

Jackle Robinson

One of me most sincere forms of respect is actually listening to what another has to say.

Bryant H. Mc. Gill

Show respect to all people, but grovel to none. **Tecumseh**

Everyone should be respected as an individual, but no one be idolized.

Albert Sinstein

I firmly believe that respect is a lot more important, and a lot greater, then popularity.

Julius Ecving

Name : Sukhdeep
Class : 10th C

THE WORLD OF GIRL'S WESTERN WEAR

Girl's western wear like skirts, summer dresses jackets, pants, tops and many more clothing option look stylish on all women, no matter the season western attires for ladies are popular clothing, choice for everyday life because this style of woman's appeal is comfortable, convenient to wear and can make you look fashionable instantly. From young teenagers to college students working or middle aged ladies women across the barriers of aged ladies and groups love to create flattering and classic looks in western clothing attires. Ladies who wear jeans, tops and shorts can easily convect with their feminine essence in these dresses Woman who wear stylish strappy tops and denim pants can let their feminine beauty shine by being dressed up as actress. Western wear gives a uniqueness in the beauty of a girl. Many a time Indian young girls wearing traditional wearings to college tuition they rather love to slip in cool, western casual just because they can enjoy the chic, comfortable and convenient ful of the styles of Girl's clothing. Other than this why western clothes are top choice of clothing of today's girl. Some trendy clothes are :-

(a) Coloured pants are still a fashion range : Indian woman's fashion landscape witnessed the huge popularity of coloured pants. Still girls love skinny jeans and printed jeggining so they could look glamorous and gorgeous. They can complement this bottom wear alternative with stylish tops in matching colour combination, cuts design pattern.

(b) Jumpsuits top :- Various online women's western websites and fashion department stores and seeing up in nice in demand for this. This cozy women's garments let fashioners to survive as per their look.

(c) Short dresses and skirts : This is the huge demand of cutting sholders in their tops with mini skirts. This outcome is liked by mostly teenagers so that they should look like today's upcoming stars and models.

Finally, this outcome make girls comfortable, unique at all times. It gurantees fashionable looks and over loading cuteness.

Name : Palak Mehra

Class : 10th 'C'

WORLD INTERNATIONAL UFO DAY !

World UFO day is an awareness day for people to gather together and watch the skies for unidentified flying objects. The day is celebrated by some on 24th June, & others on 2nd July,24th June is the date the aviator Kenneth Arnold reported what is generally considered to be the first widely reported unidentified flying object sighting in the United States, while July 2 commemorates the supported UFO crash in 1947, 'ROSWELL UFO. INCIDENT'. The stated goal of the 2nd July celebration is to raise awareness of "The undoubted existence of UFO's". & to encourage governments to declassify their files on UFO sightings.

By : **Shashwat Sharma**

Class : 10th 'B'

EVILS OF DOWRY SYSTEM

Dowry, an Indian social system, refers to the gifts brought by the bride to the husband's family at the time of her marriage. Initially, a token of love offered to daughters, it gradually deteriorated into a social evil.

The groom's family started looking upon marriage of their son as an opportunity to extract money & valuables from the girl's family. The plight of women reached a new low with girls seen as burden on their families. This gave birth to menace of female infanticide. Many married women are constantly rebuked, tortured even killed by their in-laws for not bringing enough dowry.

The Anti-Dowry Act, 1971, has proved to be a legislation on paper only. Dowry, a blot on Indian Society must be removed from its roots. The role of youth is the most important in this respect . No amount of legislation curb such evils from Society until a proper system is put in place.

By : **Kshyitij Prashar**
Class X 'B'

TEACHER IS THE BEST FRIEND

Friend is actually that person who guides us about our wrong activity and encourages us about right performance to do it more better. A teacher gives the right role in our life, they have all these duties towards us. They discourages when we involve in our naughty and wrong activities. They show us the right path and guide us how to move on that when we are achieving the mile stone of our life, the teacher is one of them whom we find closer to us. A teacher knows all about us and he is the perfect one who can guide us according to our need and ability. So, a teacher can be the best friend in our whole life.

By : **Uzma Choudhary**
Class VII 'A'

Yoga

1. **Varun Attri (5th-C) win Gold**
   Medal (v-11years) in State Yoga Championship
   and participate in 42nd National Yoga Championship
   (25-28 Oct. 2017) at Ghaziabad (U.P.)
2. **Ramakant Behera (6th-B) win Silver**
   Medal (u-14years) in State Yoga Championship
   and participate in 42nd National Yoga Championship
   (25-28 Oct. 2017) at Ghaziabad (U.P.)
3. **Vikalap Jamwal (5th-A) win Silver**
   Medal (u-11years) in State Yoga Championship
   and participate in 42nd National Yoga Championship
   (25-28 Oct. 2017) at Ghaziabad (U.P.)
4. **Hafsa Yousuf (5th-C) win Bronze**
   Medal (v-11years) in State Yoga Championship
   and participate in 42nd National Yoga Championship
   (25-28 Oct. 2017) at Ghaziabad (U.P.)

उपलब्धियां

ACHIEVEMENTS

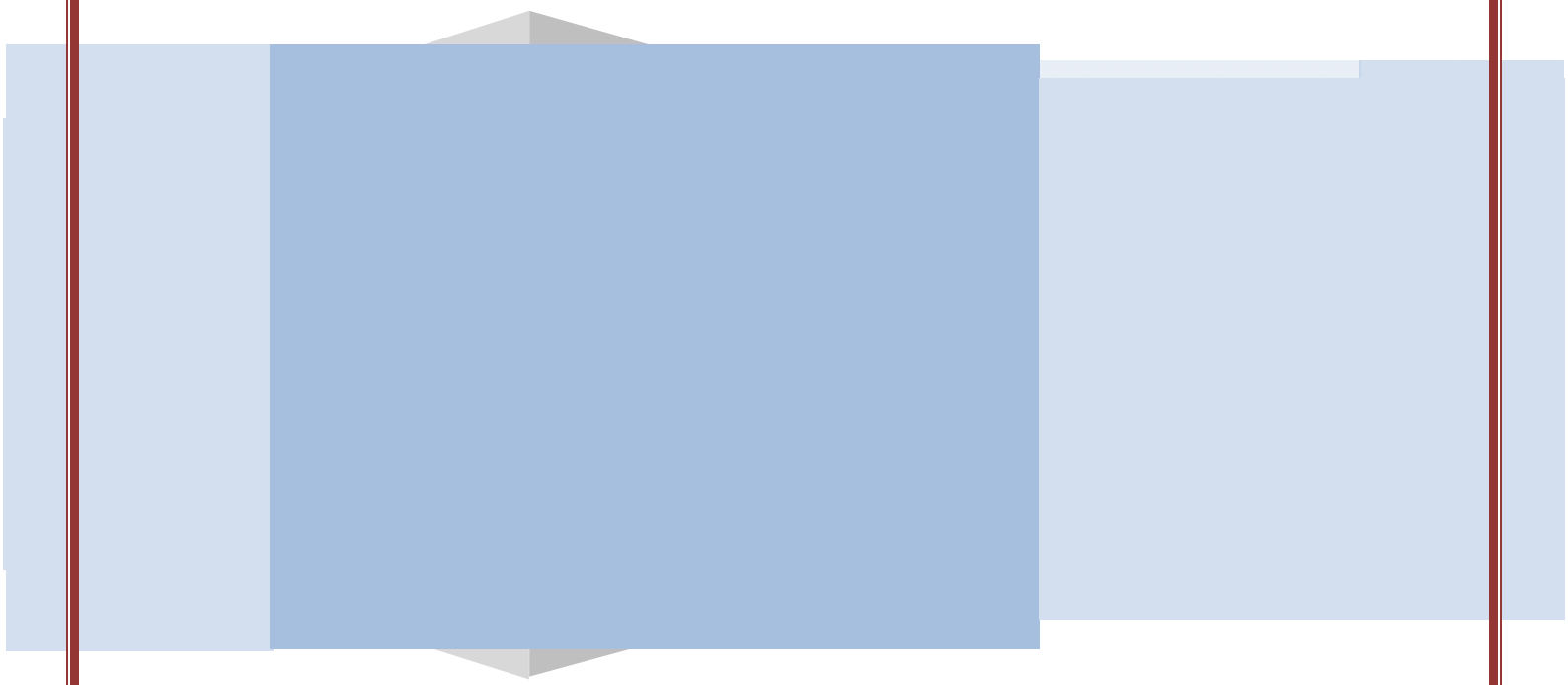

SAKURA SCIENCE EXCHAGE PROGRAM JAPAN

INTERACTION WITH NOBLE SCIENTIST AT AHMEDABAD

NDA KHADKWASLA WITH ALUMNI

TERI AWARD CEREMONY AT PUNE

GREEN SCHOOL AWARD CERTIFICATE

FAREWELL FUNCTION OF CLASS 12

PCRA AWARD CEREMONY

JNSMEE AWARD CEREMONY WITH VICE CHANCELOR PROF AIMA CENTRAL UNIVERSITY

AWARD CEREMONY WITH CHAIRMAN

CELEBRATION OF NATIONAL SCIENCE DAY

CELEBRATION OF JANMASHTAMI AND EXCURSION TRIP

KV Sunjuwan organises one day guide teacher orientation program

JL NEWS SERVICE

JAMMU, Jul 30: One Day Guide Teacher Orientation Program for National Children Science Congress 2018 organized at Kendriya Vidyalaya Sunjuwan and 38 Teachers from Kendriya Vidyalaya of Jammu Region participated.

The program focused on training of guide teacher for guiding the participating students for Congress and project ideas on different sub theme. The focal theme for 2018 is Science, Technology and Innovation for a Clean, Green and Healthy Nation under this five sub theme; Ecosystem and Ecosystem Services, Health Hygiene and Sanitation, Waste to wealth, Society Culture and Livelihood and Traditional Knowledge System.

The students guided by the Guide Teacher will be participating for Regional Level Congress on 22 October 2018 at Kendriya Vidyalaya Sunjuwan. The program was headed by Regional Coordinator D P Patel Assistant Commissioner Kendriya Vidyalaya Sangathan Jammu Region.

के.वि.सुंजवा में टीचर ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

Guide Teacher Orientation Programme held at KV Sunjuwan

Guide teachers posing for a photograph after orientation programme

STATE TIMES NEWS

JAMMU: To train guide teacher for guiding the participating students for Congress and project ideas on different sub theme, Guide Teacher Orientation Programme for 1st National Children Science Congress 2018 was organised at Kendriya Vidyalaya (KV) Sunjuwan, here on Monday. In all, 38 teachers from Kendriya Vidyalaya of Jammu Region participated.

The focal theme for 2018 is Science, Technology and Innovation for a Clean, Green and Healthy Nation under this five sub themes Ecosystem and Ecosystem Services, Health Hygiene and Sanitation, Waste to wealth, Society Culture and Livelihood and Traditional Knowledge System.

The students guided by the Guide Teacher will be participating for Regional Level Congress on October 22, 2018 at Kendriya Vidyalaya Sunjuwan. The programme was headed by Regional Coordinator D P Patel Assistant Commissioner Kendriya

केवी सुंजवां में गाइड टीचर ओरिएंटेशन प्रोग्राम

KENDRIYA VIDYALAYA SUNJUWAN: LAUNCH OF E PRAJNA PROJECT AT KENDRIYA VIDYALAYA SUNJUWAN

AAP DEEP project initiative of Digital India by Honble Prime Minister Sh Narendra Modi and Kendriya Vidyalaya Sangathan, under this project the students of Class Eight are selected for distribution of Tablets with pre loaded study material for Class Eight to Twelth, the material is associated with learning platform with lessons, videos and stimulation, the Kendriya Vidyalaya Sangathan has selected Kendriya Vidyalaya Sunjuwan for digital initiative, the 127 students and teachers teaching Class 8 will be provided with Tablets, a specialized team has trained the Students, Teacher and Parents for usage of Tablets, Honble Deputy Commissioner Sh Sirimala Sambanna delivered the tablets to the parents and blessed the occasion with a valuable and guiding words for the objectivity of the program and also conveyed the responsibility to be shouldered by the parents to make this pilot project a successful venture, Sh Diggraj Meena Assistant Commissioner being academic head focused on the virtual classroom and its implementation in more productive form. The parents of 127 students and 04 mentor teachers are benefited with the program and where trained to implement the same to make a digital learning program a successful event. The School Coordinator team Smt Sangita and Smt Sonika coordinated the entire program and provided all the technical support with Mr Iqbal, Technical Support from E Pragya and Inventor platform, the school administration conveyed thanks to Kendriya Vidyalaya Sangathan, New Delhi and Sh Sirimala Sambanna Deputy Commissioner KVS Regional Office Jammu and Sh Diggraj Meena, Assistant Commissioner Kendriya Vidyalaya Sangathan Jammu for blessing the occasion.

Kendriya Vidyalaya Sunjuwan: Launch of E Prajna Project at Kendriya Vidyalaya Sunjuwan

AAP DEEP project initiative of Digital India by Honble Prime Minister Sh Narendra Modi and Kendriya Vidyalaya Sangathan, under this project the students of Class Eight are selected for distribution of Tablets with pre loaded study material for Class Eight to Twelth, the material is associated with learning platform with lessons, videos and stimulation, the Kendriya Vidyalaya Sangathan has selected Kendriya Vidyalaya Sunjuwan for digital initiative, the 127 students and teachers teaching Class 8 will be provided with Tablets, a specialized team has trained the Students, Teacher and Parents for usage of Tablets, Honble Deputy Commissioner Sh Sirimala Sambanna delivered the tablets to the parents and blessed the occasion with a valuable and guiding words for the objectivity of the program and also conveyed the responsibility to be shouldered by the parents to make this pilot project a successful venture, Sh Diggraj Meena Assistant Commissioner being academic head focused on the virtual classroom and its implementation in more productive form. The parents of 127 students and 04 mentor teachers are benefited with the program and where trained to implement the same to make a digital learning program a successful event. The School Coordinator team Smt Sangita and Smt Sonika coordinated the entire program and provided all the technical support with Mr Iqbal, Technical Support from E Pragya and Inventor platform, the school administration conveyed thanks to Kendriya Vidyalaya Sangathan, New Delhi and Sh Sirimala Sambanna Deputy Commissioner KVS Regional Office Jammu and Sh Diggraj Meena, Assistant Commissioner Kendriya Vidyalaya Sangathan Jammu for blessing the occasion.

KV Sunjuwan launches e- Prajna Project

Daily Times Report

JAMMU, Jan 31: AAP DEEP project initiative of Digital India by Prime Minister Narendra Modi and Kendriya Vidyalaya Sangathan, under this project the students of Class Eight were selected for distribution of Tablets with pre loaded study material for Class Eight to Twelth, the material is associated with learning platform with lessons, videos and stimulation, the Kendriya Vidyalaya Sangathan has selected Kendriya Vidyalaya Sunjuwan for digital initiative, the 127 students and teachers teaching Class 8 will be provided with Tablets, a specialized team has trained the Students, Teacher and Parents for usage of Tablets, Deputy Commissioner Sirimala Sambanna delivered the tablets to the parents and blessed the occasion with a valuable and guiding words for the objectivity of the program and also conveyed the responsibility to be shouldered by the parents to make this pilot project a successful venture, Diggraj Meena Assistant Commissioner being academic head focused on the virtual classroom and its implementation in more productive form.

The parents of 127 students and 04 mentor teachers are benefited with the program and where trained to implement the same to make a digital learning program a successful event. The School Coordinator team Smt Sangita and Smt Sonika coordinated the entire program and provided all the technical support with Iqbal, Technical Support from E Pragya and Inventor platform, the school administration conveyed thanks to Kendriya Vidyalaya Sangathan, New Delhi and Sirimala Sambanna Deputy Commissioner KVS Regional Office Jammu and Diggraj Meena, Assistant Commissioner Kendriya Vidyalaya Sangathan Jammu for blessing the occasion.

KV Sunjuwan organises one day guide teacher orientation program

JL NEWS SERVICE

JAMMU, Jul 30: One Day Guide Teacher Orientation Program for National Children Science Congress 2018 organized at Kendriya Vidyalaya Sunjuwan and 38 Teachers from Kendriya Vidyalaya of Jammu Region participated.

The program focused on training of guide teacher for guiding the participating students for Congress and project ideas on different sub theme. The focal theme for 2018 is Science, Technology and Innovation for a Clean, Green and Healthy Nation under this five sub theme; Ecosystem and Ecosystem Services, Health Hygiene and Sanitation, Waste to wealth, Society Culture and Livelihood and Traditional Knowledge System.

The students guided by the Guide Teacher will be participating for Regional Level Congress on 22 October 2018 at Kendriya Vidyalaya Sunjuwan. The program was headed by Regional Coordinator D P Patel Assistant Commissioner Kendriya Vidyalaya Sangathan Jammu Region.

E-Prajna Project launched at Sunjuwan KV

HIMALAYAN MAIL NEWS

JAMMU, JAN 31

AAP DEEP project initiative of Digital India by Honble Prime Minister Sh Narendra Modi and Kendriya Vidyalaya Sangathan, under this project the students of Class Eight are selected for distribution of Tablets with pre loaded study material for Class Eight to Twelth, the material is associated with learning platform with lessons, videos and stimulation, the Kendriya Vidyalaya Sangathan has selected Kendriya Vidyalaya Sunjuwan for digital initiative, the 127 students and teachers teaching Class 8 will be provided with Tablets, a specialized team has trained the Students, Teacher and Parents for usage of Tablets, Honble Deputy Commissioner Sh Sirimala Sambanna delivered the tablets to the parents and blessed the occasion with a valuable and guiding words for the objectivity of the program and also conveyed the responsibility to be shouldered by the parents to make this pilot project a successful venture, Sh Diggraj Meena Assistant Commissioner being academic head focused on the virtual classroom and its implementation in more productive form. The parents of 127 students and 04 mentor teachers are benefited with the program and where trained to implement the same to make a digital learning program a successful event. The School Coordinator team Smt Sangita and Smt Sonika coordinated the entire program and provided all the technical support with Mr Iqbal, Technical Support from E Pragya and Inventor platform, the school administration conveyed thanks to Kendriya Vidyalaya Sangathan, New Delhi and Sh Sirimala Sambanna Deputy Commissioner KVS Regional Office Jammu and Sh Diggraj Meena, Assistant Commissioner Kendriya Vidyalaya Sangathan Jammu for blessing the occasion.

Guide Teacher Orientation Programme held at KV Sunjuwan

Guide teachers posing for a photograph after orientation programme

STATE TIMES NEWS

JAMMU: To train guide teacher for guiding the participating students for Congress and project ideas on different sub theme, Guide Teacher Orientation Programme for 1st National Children Science Congress 2018 was organised at Kendriya Vidyalaya (KV) Sunjuwan, here on Monday. In all, 38 teachers from Kendriya Vidyalaya of Jammu Region participated.

The focal theme for 2018 is Science, Technology and Innovation for a Clean, Green and Healthy Nation under this five sub themes Ecosystem and Ecosystem Services, Health Hygiene and Sanitation, Waste to Wealth, Society Culture and Livelihood and Traditional Knowledge System.

The students guided by the Guide Teacher will be participating for Regional Level Congress on October 22, 2018 at Kendriya Vidyalaya Sunjuwan. The programme was headed by Regional Coordinator D P Patel Assistant Commissioner Kendriya

Kendriya Vidyalaya Sunjuwan participated for 2016-17 Green Audit Program and is recipient of First School to Submit Green School Audit and Meera Mahajan, Sunder Bala Puri and six students Master Anirudh, Master Satyam Anand, Master Abhi, Kumari Saheen, Kumar Jahanvi, Kumari Shajiya at New Delhi by Prakash Javedkar Minister HRM. Students participated in Painting Competition and Clay Modelling. Kendriya Vidyalaya Sunjuwan has been awarded with Green School Award for 2016-17.

के.वि.सुंजवा में टीचर ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

KENDRIYA VIDYALAYA SUNJUWAN:

Celebration of Foundation Day: Kendriya Vidyalaya Sunjuwan celebrated foundation day on 15 Day of December 2017 with the students of Kendriya Vidyalaya Sunjuwan and honouring them for the participation in Quiz, Debate, Skit and Group Song Competion, the students presented the detailed view on establishment of organization with achievements in all the sectors of society, Ms Shaheen Akhtar presented a detailed report on Vision and Mission of Kendriya Vidyalaya Sangathan, On this occasion two teachers for performing outstanding in session 2016-17 examinations where decorated with certificate of appericiation issued by Deputy Commissioner Kendriya Vidyalaya Sangathan Jammu, Ms Anuradha Sharma for Hindi subject and Ms Madhu Kumari for Chemistry, In-house games and other activities are performed for the celebration of the day. The moment made the entire gathering to feel for being a KVIIAN. The alumni of Kendriya Vidyalaya Sunjuwan where invited to join the occasion and share their achievements and setting milestone for the juniors.

KENDRIYA VIDYALAYA SUNJUWAN

Kendriya Vidyalaya Sunjuwan participated for 2016-17 Green Audit Program and is recipient of First School to Submit Green School Audit and Smt Meera Mahajan, Smt Sunder Bala Puri and 06 students Master Anirudh, Master Satyam Anand, Master Abhi, Kumari Saheen, Kumar Jahanvi, Kumari Shajiya at New Delhi by Honble Shri Prakash Javedkar Minister HRM. Students participated in Painting Competition and Clay Modelling. Kendriya Vidyalaya Sunjuwan has been awarded with Green School Award for 2016-17

SCHOOL CAMUS

केन्द्रीय विद्यालय संजुवां जम्मू
केन्द्रीय विद्यालय संजुवां जम्मू
COME to LEARN
GO & SERVE

COMPUTER LAB 1
NOTE5 PRO

OTHER LABS

CHEMISTRY LAB
BIOLOGY LAB
JUNIOR SCIENCE LAB
PHYSICS LAB

LANGUAGE LAB

CAMPUS AREA

BALL
COW
DOG
ELEPHANT
FISH
GIRAFFE
JUG
LION
NEST
OWL
SNAKE
TIGER
VAN
WATCH
SOLAR SYSTEM

OUR PRIDE

MS AKANKSHA ANGRAL

NEET QUALIFIED

MBBS FROM GMC JAMMU

MASTER RAMIT

NEET QUALIFIED

MBBS FROM GMC JAMMU

वार्षिकोत्सव

ANNUAL FUNCTION

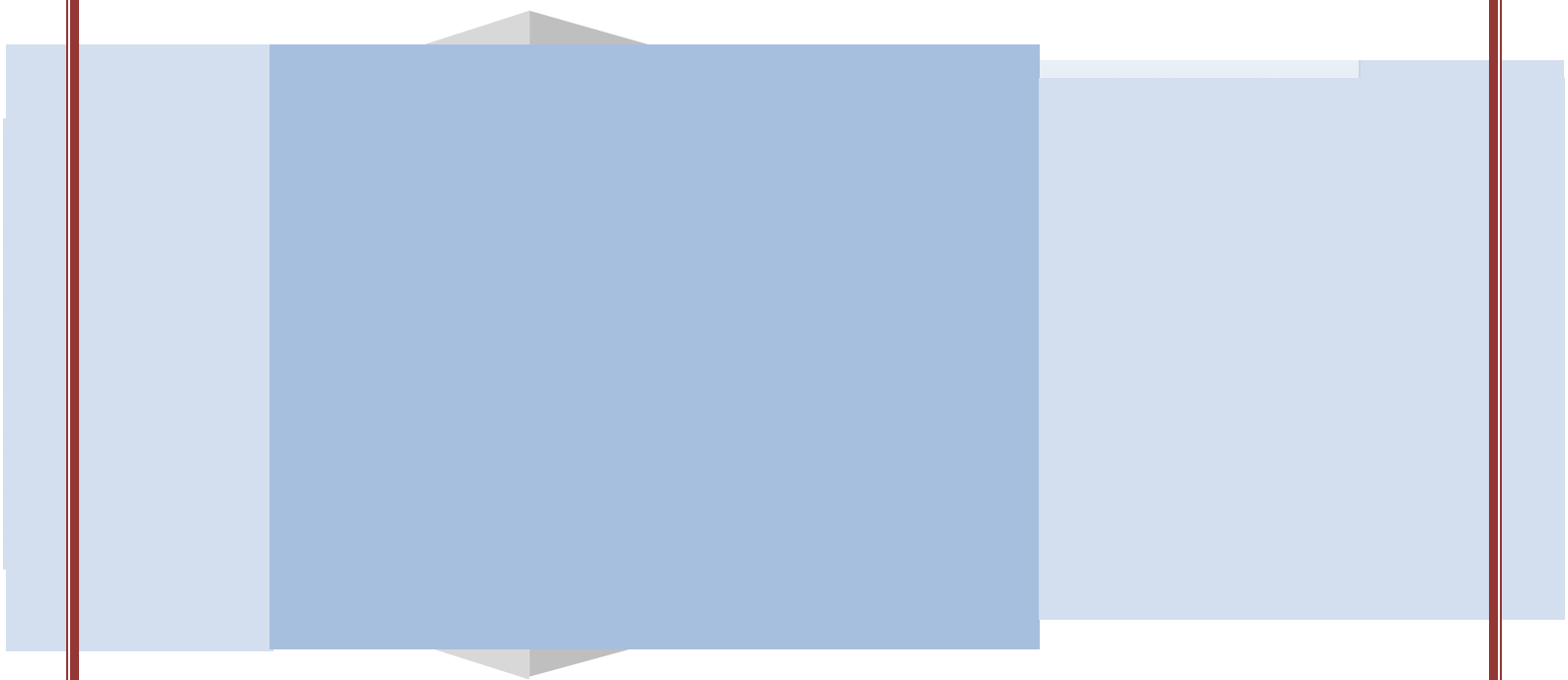

Master Aniket Rawat represented India under Sakura Science Exchange Program and visited Japan

ANNUAL DAY CELEBRATION

KASHMIRI DANCE

GROUP SONG

YOGA CELEBRATION

RAJASTHANI FOLK DANCE

WELCOME SONG

PUNJAB FOLK DANCE - BHANGRA

MASTER SANKET VISITED JAPAN UNDER JENYSES PROGRAM

KATHAK DANCE PRESENTATION

SAVE GIRL CHILD – A PLAY

STAFF PHOTOGRAPH

उत्सव

CELEBRATION

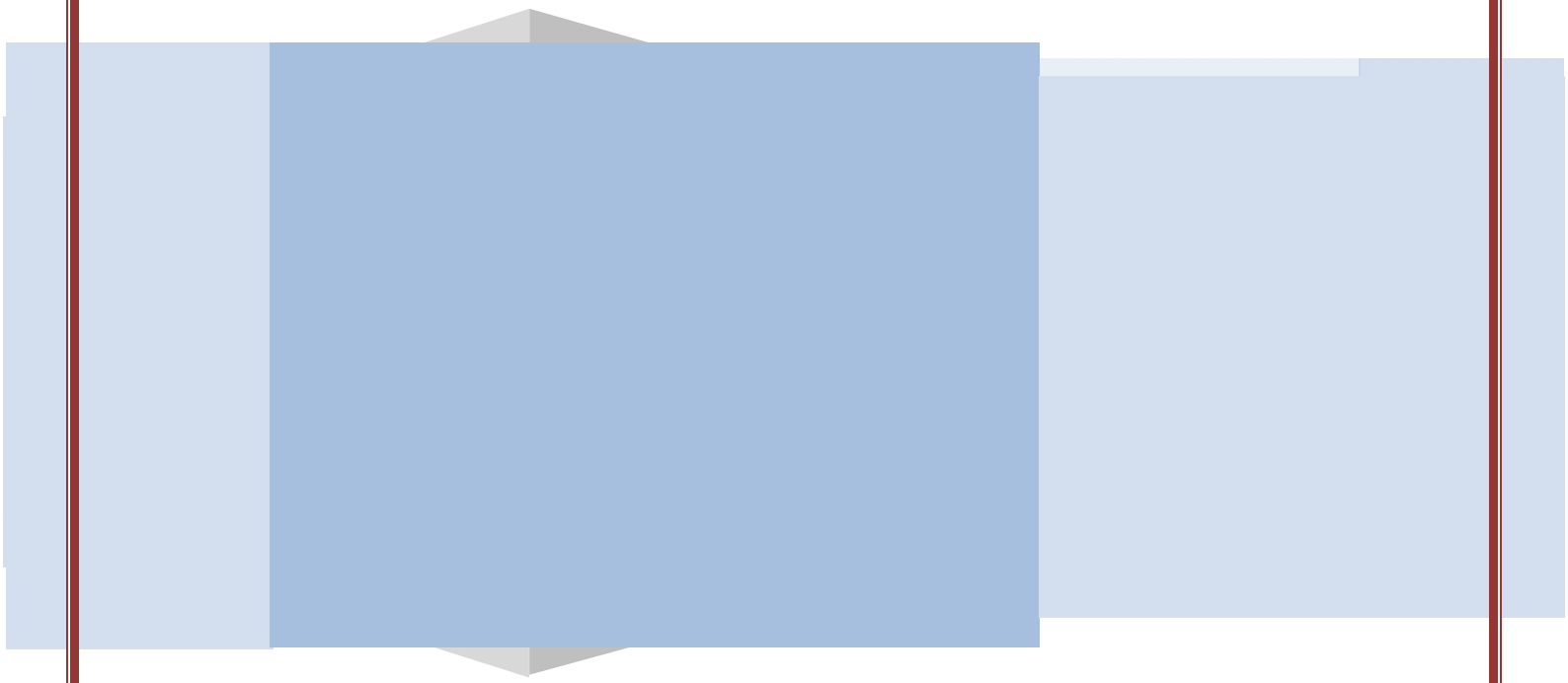

BAAL DIWAS CELEBRATION

TERI TEAM

PAINTING COMPETITION

SLOGAN WRITING COMPETITION

GRAND PARENTS DAY CELEBRATION

GRAND PARENTS DAY CELEBRATION

REPUBLIC DAY CELEBRATION

IDEPENDENCE DAY CELEBRATION

INDPENDENCE DAY CELEBRATION

SCREENING OF PARAM VEER CHAKRA FILM

PLANTATION DRIVE DURING VAN MAHOTSAV

E PRAGYA (AAP DEEP) PROJECT AND TRAINING OF STUDENTS AND TEACHERS

AAP DEEP PROJECT AND DISTRIBUTION OF TABS TO STUDENTS OF CLASS IX

TWIN SCHOOL WITH GOVERNMENT SCHOOL THANGER

ART CAMP WITH STUDENTS OF GOVERNMENT SCHOOL THANGER

SANSKRIT SAPTAH CELEBRATION

SCOUT AND GUIDE CAMP

SCOUT AND GUIDE SESSION

VMC MEETING